



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 71]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 26, 2010/फाल्गुन 7, 1931

No. 71]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 26, 2010/PHALGUNA 7, 1931

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 फरवरी, 2010

अंतिम जांच परिणाम (मध्यावधि समीक्षा)

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पॉलीटेट्राफ्लूरोएथीलिन (पी टी एफ ई) के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के बारे में मध्यावधि समीक्षा ।

सं. 15/33/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 जिसे आगे अधिनियम कहा गया है और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

क. मामले की पृष्ठभूमि

1. यतः समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 जिसे आगे अधिनियम कहा गया है और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने चीन जन.गण. (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित और उप-शीर्ष क्रमशः 39046100 के अंतर्गत आने वाले पॉलीटेट्राफ्लूरोएथीलिन (जिसे आगे पी एफ ई या संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। अंतिम जांच परिणाम 25 जुलाई, 2005 की अधिसूचना सं. 14/25/2003-डीजीएडी के तहत अधिसूचित किए गए थे और निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 17 अक्टूबर, 2005 की अधिसूचना सं. 91/2005-सी. शु. के तहत लगाया गया था। उस मामले में याचिका मै. हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि. ने दायर की थी।

और यतः नियमों में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लागू रखने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा करने की अपेक्षा की जाती है। उपर्युक्त उपबंध के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को चीन के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए एक आवेदन प्राप्त हुआ और संबद्ध वस्तु पर लागू पाटनरोधी शुल्क के रूप में उपान्तरण करने तथा उसकी राशि में वृद्धि/समीक्षा करने का अनुरोध किया गया था।

ख. प्रक्रिया

2. इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

क. निर्दिष्ट प्राधिकारी को अन्य बातों के साथ-साथ इस आधार पर लागू पाटनरोधी शुल्क के रूप में उपांतरण तथा उसकी राशि में वृद्धि करने की समीक्षा हेतु मै. गुजरात फ्लोरोकैमिकल्स लि. से एक विधिवत पुष्टिकृत आवेदन प्राप्त हुआ कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए मौजूदा शुल्क पर्याप्त नहीं है। लागू पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा और उसमें वृद्धि करने का अनुरोध करते हुए प्राधिकारता ने इस संबंध में प्रथमदृष्टया साक्ष्य प्रस्तुत किया।

ख. इस बात से संतुष्ट होने के उपरान्त कि प्राधिकारता ने समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करते हुए पर्याप्त सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की है, प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम-23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 (5) के अनुसार चीन के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों पर 27 फरवरी, 2009 की अधिसूचना सं. 15/33/2008-डीजीएडी के तहत लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा जांच शुरू की थी।

ग. नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में नई दिल्ली स्थित संबद्ध देश के दूतावास को सूचित किया गया था।

घ. प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देश के दूतावास को उपलब्ध कराईं। अगोपनीय आवेदन की प्रति अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थीं:

ङ. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की एक प्रति ज्ञात निर्यातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) भेजी और उन्हें नियम 6(2) तथा 6(4) के अनुसार पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया। सूचना निम्नलिखित निर्यातकों को भेजी गई थी :-

मै. झेंगजिन फ्लोरोकार्बन्स

जियांगसु

चीन

शेनडांगडांगयू कैमिकल कंपनी लि.

शेन्डांग,

चेंगझाऊ जियांगटांग कैमिकल कंपनी लि.

चीन

ताईझाऊ मीलान रेजिन प्रोसेस कंपनी लि.

जियांगसू, चीन, ताईझाऊ, जियांगसू (चीन)

दूरभाष: 86 523 6579032

शेनडांग डांगयू पॉलीमर मैटीरियल कंपनी लि.

जीबो सिटी, शेनडांग,

चीन 256400

च. निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों से प्राप्त हुआ था:

- मै. शेनडांग डांगयू कैमिकल कंपनी लि., चीन जन.गण.
- मै. झूपांट (चांगशू) फ्लूरो टैक्नोलॉजी कंपनी लि., चीन जन.गण.

छ. प्राधिकारी ने सार्वजनिक सूचना की प्रति भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित समस्त ज्ञात आयातकों (जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे) को भेजी और उन्हें नियम 6(4) के अनुसार पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी ।

- गोएन्का एंड संस, मुंबई
- प्रगति इंटरनेशनल, नई दिल्ली
- वीनस इंडस्ट्रीज, नई दिल्ली
- मेकेनिकल पैकिंग इंडस्ट्रीज, मुंबई
- मै. मैक पॉलीमर्स, पुणे
- टी कोटिंग इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद
- प्रगति प्लास्टिक प्रा.लि., नई दिल्ली
- ऑटोमेट इंडस्ट्रीज, अहमदाबाद
- डिप फ्लोन इंजीनियरिंग कं., अहमदाबाद
- प्लास्टिक प्रोडक्ट इंजीनियरिंग कं., अहमदाबाद
- कोरोसिन इंजिनियर्स, अहमदाबाद
- निम्नलिखित आयातकों ने जांच शुरुआत की सूचना का उत्तर दिया था :
- सांघवी प्रोडक्ट्स,

- मेरठ पी टी एफ ई प्रोडक्ट्स प्रा.लि.
- टॉक एंड एसोसिएट्स (प्रा.) लि.,
- ट्रेस्टार इलेक्ट्रॉनिक्स,
- ई.आई डूपोन्ट इंडिया (प्रा.) लि.

ज. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में रखा, जिसे प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रखा ।

झ. जिन निर्यातकों, उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और न ही इस जांच से संगत सूचना भेजी है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है ।

ञ. समस्त ज्ञात निर्यातकों तथा चीन जन.गण. के दूतावास को बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार (एम ई टी) संबंधी प्रश्नावली इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि निर्धारित समय के भीतर प्राधिकारी को संगत सूचना प्रदान की जाए । यद्यपि, जांच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. में सामान्य मूल्य पर विधिवत समायोजित भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के आधार पर विचार किया गया था, तथापि, प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों को यह सूचित किया कि उसका प्रस्ताव यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली अनुबंध-1 के पैरा 7 और पैरा 8 के मद्देनजर आवेदक के दावे की जांच करने का है । अतः चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों से पैरा-8 के उप पैरा (3) में किए गए उल्लेख के अनुसार आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था ताकि प्राधिकारी इस बात पर विचार कर सकें कि क्या सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया जा सकता है ।

ट. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि सहित पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए आयात के आंकड़े मांगे गए थे ।

ठ. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु आवेदक एवं अन्य घरेलू उत्पादक से सूचना मांगी गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

ड प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए 29.10.09 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की । सुनवाई के समय उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से व्यक्त किए विचारों के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचारों के उत्तर दायर करने का अवसर भी प्रदान किया गया था । हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित अनुरोधों और उत्तरों पर संगत सीमा तक विचार किया गया है ;

द. आवेदक तथा डूपांट (चेंगशू) फ्लूरो टैक्नोलॉजी कंपनी द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के मौके पर सत्यापन के बाद आवश्यक समझी गई सीमा तक उनकी जांच की गई थी ।

ण. उपर्युक्त नियमावली के नियम-16 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन आवश्यक तथ्यों का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर वर्तमान अंतिम जांच परिणाम में समुचित विचार किया गया है ।

त. य जांच 1 अक्टूबर 2007 से 30 सितंबर, 2008 की अवधि (जिसे जांच अवधि भी कहा गया है) के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संबंध में प्रवृत्तियों की जांच में 1 अप्रैल, 2005 से जांच अवधि की समाप्ति तक की अवधि शामिल थी ।

थ. *** चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।

द. जांच अवधि के लिए अमरीकी डॉलर विनिमय दर 41.08=1 अम.डॉ. ली गई है ।

ग. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

3. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद चीन जन.गण. के मूल का अथवा वहां से निर्यातित "पॉलीटेट्राफ्लूरोएथीलिन (जिसे पी टी एफ ई भी कहा गया है)" है । पी टी एफ ई का उत्पादन मोल्लिंग ग्रेड, फाइन पाऊडर, एक्वस डिस्पर्सन तथा फील्ड ग्रेडों के कंपाउंड ग्रेडों जैसे विभिन्न ग्रेडों में किया जाता है । पूर्ववर्ती मामले के क्षेत्र में शामिल किए गए समस्त ग्रेड और वर्तमान शुल्क वर्तमान समीक्षा के दायरे में आते हैं । पी टी एफ ई का प्राथमिक उपयोग विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक तथा रसायन उद्योगों में उसकी अद्भुत विशेषताओं के कारण किया जाता है जो हैं- रासायनिक अक्रियाशीलता, विद्युत एवं तापीय उष्मारोध, घर्षण का कम गुणांक विषहीन, अज्वलनशील विकीरण के प्रति प्रतिरोधी क्षमता, स्थायी एवं गतिशील घर्षण का कम स्तर तथा व्यापक बारंबारता में बेहतरीन विद्युत गुणधर्म ।

4. पॉलीटेट्राफ्लूरोएथीलिन (पीटीटीई) सीमाशुल्क शुल्क टैरिफ अधिनियम के उपशीर्ष सं. 390461 एवं उप शीर्ष सं. 39046100 के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि, ये सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं हैं ।

5. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है । आवेदक ने यह भी दावा किया है कि उनके द्वारा और विदेशी उत्पादकों द्वारा प्रयुक्त प्रौद्योगिकी एवं प्राथमिक उत्पादन प्रक्रिया तुलनीय है; यद्यपि प्रत्येक उत्पादक उपलब्ध सुविधाओं और आवश्यकताओं के आधार पर अपनी उत्पादन प्रक्रिया को सुमेलित करता है ।

घरेलू उद्योग के विचार

6. वर्तमान जांच एक मध्यावधिक समीक्षा होने के कारण विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही रहना चाहिए जो कि मूल जांच में था । यद्यपि, केवल मै. हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि., जांच के समय एकमात्र उत्पादक था, तथापि इस उत्पाद का अब उत्पादन मै. गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लि. द्वारा भी किया जा रहा है । इसी वजह से उत्पाद के क्षेत्र की समीक्षा करने का कोई कारण नहीं है ।

निर्यातकों/उत्पादकों के विचार

7. मै. डूपांट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कंपनी लि. ने यह तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र इतना व्यापक है कि जांच शुरुआत की सूचना में पी टी एफ ई के सभी ग्रेड शामिल हैं, जबकि आवेदक मै. गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लि. द्वारा पी टी एफ ई के केवल एक ग्रेड अर्थात् ग्रेन्यूलर रेजिन का ही उत्पादन किया जाता है । यह भी तर्क दिया गया है कि जिन ग्रेडों का विनिर्माण घरेलू उद्योग नहीं करता है, उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

8. वर्तमान जांच समीक्षा जांच है । पी टी एफ ई के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क प्राधिकारी की पूर्ववर्ती सिफारिशों के आधार पर लगाया गया था । यह नोट किया जाता है कि पूर्ववर्ती जांच में मै. हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. घरेलू उद्योग था । यद्यपि, वर्तमान याचिका मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने दायर की थी । तथापि, हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि. ने बाद में प्राधिकारी से सहयोग किया और समस्त संगत सूचना उपलब्ध कराई है । प्राधिकारी ने खासकर इस तथ्य के बारे में कि विचाराधीन उत्पाद से संबंधित कुछेक ग्रेडों का संबद्ध देश से आयात किया जा रहा है, जिनका विनिर्माण भारत में नहीं हो रहा है अथवा यह कि दोनों व्यापक उत्पाद रेंज में कोई घरेलू समान उत्पाद नहीं है, विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के बारे में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच की है । जांच के बाद यह नोट किया जाता है कि जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु का संबंध है, विचाराधीन उत्पाद के एक ग्रेड विशेष को अलग नहीं रखा जा सकता । वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. तथा हिन्दुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि. हैं । पूर्ववर्ती जांच के समय मै. हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. घरेलू उद्योग था । मूल जांच में यह सिद्ध किया गया था कि घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु का उत्पादन कर उसकी आपूर्ति की थी । चूंकि गुजरात पेट्रोकेमिकल्स लि. और अब मै. हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि., दोनों ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी के साथ सहयोग किया है और समस्त सूचना प्रदान की है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर निर्णय इन दोनों कंपनियों द्वारा उत्पादित और आपूर्त वस्तु के आधार पर लेना अपेक्षित है । प्रकटन विवरण के उपरांत घरेलू उद्योग और निर्यातक तथा आयातक, दोनों ने अपने अनुरोधों में पूर्व में व्यक्त विचारों को दोहराया है । घरेलू उद्योग के अनुरोध हैं कि जांच और सत्यापन करने के बाद यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग इस प्रकटन विवरण में यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद का विनिर्माण करता है अतः मध्यावधि समीक्षा के प्रयोजनार्थ विचाराधीन उत्पाद का

दायरा वही रहता है जैसा कि मूल जांच में परिभाषित किया गया है और जिसका उपर्युक्त पैरा (3) में उल्लेख किया गया है ।

घ. घरेलू उद्योग तथा आधार

9. यह आवेदन गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि., नोएडा ने दायर किया है । इसके अलावा, मै. हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि., हैदराबाद ने वर्तमान जांच में सहयोग किया है और समस्त संगत सूचना उपलब्ध कराई है । मूल जांच में हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. (एच एफ एल) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष याचिका दायर की थी ।

10. मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. (जी एफ एल) ने 5500 मी.ट. की स्थापित क्षमता से पी टी एफ ई के उत्पादन हेतु एक नया संयंत्र स्थापित किया है जिसने वाणिज्यिक उत्पादन दिसंबर, 2007 में शुरू किया । वर्तमान जांच अवधि में गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. की क्षमता और उत्पादन हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. से काफी अधिक है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. और हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. का उत्पादन भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन का 100% बनता है । प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. और हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. को घरेलू उद्योग माना है । प्रकटन विवरण के उत्तर में निर्यातक तथा आयातकों ने इस तथ्य पर आपत्ति व्यक्त की है कि मै. एच एफ एल सार्वजनिक सुनवाई के बाद पाटनरोधी कार्रवाई में शामिल हुआ और हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन विवरण जारी होने तक मै. एच एफ एल के अनुरोधों के बारे में सूचित नहीं किया गया । मुद्दों की जांच करने के बाद यह नोट किया जाता है कि मै. एच एफ एल ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया था और उसने घरेलू उद्योग के प्रपत्र के अनुसार सूचना प्रस्तुत की थी तथा उसके अगोपनीय रूपांतरण की प्रति सभी संबंधित हितबद्ध पक्षकारों के सूचनार्थ सार्वजनिक फाइल में विधिवत रखी गई थी ।

गोपनीयता

11. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावों की जांच की और गोपनीयता के दावे के बारे में संतुष्ट होने के बाद उसकी अनुमति प्रदान की ।

किए गए अनुरोध और उठाए गए मुद्दे

12. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित पक्षकारों ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है : -

कंपनी का नाम	स्थिति
शेनडोंग डांगयू पॉलीमर मैटीरियल कंपनी लि.	उत्पादक व निर्यातक
डूपोंट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कंपनी लि.	उत्पादक व निर्यातक

13. इसके अलावा, मै. सांघवी प्रोडक्ट्स, भारत, मै. मेरठ पी टी ई प्रोडक्ट्स प्रा.लि., मै. टोंग एंड एसोसिएट्स (प्रा.) लि., मै. ट्रेस्टार इलेक्ट्रोनिक्स, मै. ई आई डूपोंट इंडिया (प्रा.) लि. ने भी निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर दिया है और मै. लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरन के जरिए वर्तमान जांच से संगत सूचना प्रदान की है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को वर्तमान प्रकटन विवरण में समुचित रूप से ध्यान रखा गया है।

ड. पाटन मार्जिन का निर्धारण

बाजार अर्थव्यवस्था के दावे

14. जांच की शुरुआत के चरण पर प्राधिकारी ने चीन जन.गण. को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए उस अनुमान के अनुसार कार्रवाई की थी। जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने चीन के उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दी कि वे जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर दें और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के निर्धारण हेतु संगत सूचना प्रदान करें। प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में निर्धारित मापदंडों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन हेतु समस्त ज्ञात निर्यातकों को एम ई टी प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। प्राधिकारी ने संगत सूचना प्रदान करने के लिए चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह देने हेतु चीन की सरकार से भी अनुरोध किया।

15. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

- (क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;
- (ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

- (ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्याधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और
- (घ) विनिमय दर का परिवर्तन बाजार दर पर किया जाता है ।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

16. वर्तमान जांच के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए हैं :-

- (क) डूपोंट ने भारतीय बाजार में भारी पाटन किया है । ऐसा प्रतीत होता है कि डूपोंट ने जांच अवधि के दौरान किसी समय से उत्पादन शुरू किया है ।
- (ख) यह संभव है कि डूपोंट ने मै. शंघाई 3 एफ जो राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी है, के साथ पिछले कुछ समय से वित्तीय घाटा उठाते हुए उत्पादन शुरू किया है ।
- (ग) शंघाई 3 एफ ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर भी नहीं दिया है । अतः यह निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को आंशिक उत्तर मिला है क्योंकि अधिकांश उत्पादन कार्यकलाप करने वाली कंपनी ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और विनिर्माण सुविधा के अंतिम चरण पर कार्य करने वाली कंपनी ने प्राधिकारी से संपर्क किया है ।
- (घ) जिस स्थिति में उत्पादन कार्यकलाप वस्तुतः दूसरी कंपनी के पास होता है । उस स्थिति में डूपोंट इस दावे को नहीं कर सकता कि कीमत, लागत, निविष्टि (कच्ची सामग्री सहित) प्रौद्योगिकी लागत, उत्पादन, बिक्री और निवेश से संबंधित निर्णय बाजारी संकेतों के उत्तर में लिए जाते हैं जिनमें मांग एवं आपूर्ति प्रदर्शित होती है और राज्य का पर्याप्त हस्तक्षेप नहीं होता है ।
- (ङ) चीन से आयात कीमत अविश्वसनीय है । चीन के साथ भारतीय आंकड़ों की तुलना करने पर यह देखा जा सकता है कि यद्यपि आयात की मात्रा लगभग समान है, तथापि मूल्य में काफी अंतर है । यद्यपि यह सही है कि एक मूल्य एफ ओ बी है और दूसरा सी आई एफ । तथापि, दोनों में अंतर इससे काफी अधिक है ।
- (च) सामान्य मूल्य की गणना हेतु भारत को प्रतिनिधि देश माना जाए ।
- (छ) निर्यात कीमत के साथ सामान्य मूल्य की तुलना से यह पता चलेगा कि वर्तमान मामले में पाटन मार्जिन पूर्व में पुष्टिकृत पाटन मार्जिन से काफी अधिक है जिससे पाटनरोधी शुल्क को बढ़ाने की जरूरत महसूस होती है ।

(ज) क्षति जारी रहने की संभावना भी मौजूद है क्योंकि:

- i. तीसरे देशों को हुए वर्तमान निर्यात पाटित कीमतों पर हुए हैं और संबद्ध देश पर लागू पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन होने की संभावना है ।
- ii. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद चीन के मामले में आयात मात्र में भारी वृद्धि हुई है ।
- iii. विदेशी उत्पादकों के पास मुक्त रूप से निपटान योग्य वर्तमान तथा भावी क्षमताओं की उपस्थिति ।
- iv. पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध देश से आयातों द्वारा घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती होने की संभावना है ।
- v. भारत में मांग की तुलना संबद्ध देशों से हुए वर्तमान आयातों के साथ करने पर यह पता चलता है कि कुछेक देशों को हुए उनके वर्तमान निर्यात भारत में सकल मांग की तुलना में काफी अधिक हैं ।
- vi. जैसा कि घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से पता चलता है, वर्तमान जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को क्षति हुई है । पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार नहीं हो सकता । बहरहाल इसमें आगे और गिरावट आएगी ।
- vii. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद चीन से हुए आयातों का बाजार हिस्सा काफी अधिक है ।

मै. डूपोंट के अनुरोध

17. डूपोंट ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है और बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है । कंपनी ने प्रश्नावली के अपने उत्तर में यह दावा किया कि वह बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की पात्र हैं । प्रश्नावली के अपने उत्तर में कंपनी ने अन्य बातों के साथ-साथ यह दावा किया कि वह कच्ची सामग्री की खरीद बाहर से करती है । तथापि, इस बात की पुष्टि करने के लिए कोई साक्ष्य प्रदान नहीं किया गया है कि मूल निविष्टि की कीमत में बाजार मूल्य का पर्याप्त प्रदर्शन होता है । समस्त उपयोगिताओं की खरीद राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों से की जाती है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

18. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. डूपोंट (चांगशू) फ्लूरो टैक्नोलॉजी कंपनी लि. (डूपोंट) जो संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की एक उत्पादक/निर्यातक है, ने गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन हेतु निर्धारित प्रपत्र में सूचना प्रस्तुत की है । कंपनी के परिसरों में मौके पर जांच की गई थी, जिसमें कंपनी के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की जांच शामिल थी । यह पाया गया था कि इस कंपनी की सर्वप्रथम स्थापना डूपोंट (चांगशू) इलेक्ट्रॉनिक गैस टैक्नोलॉजीज कंपनी लि. के नाम से वर्ष 2005 में की गई थी जैसा कि विदेशी निवेश के साथ उद्यमों की स्थापना के अनुमोदन प्रमाण-पत्र से पता चलता

है । बाद में अनुमोदन बदलकर डूपोंट (चांगशू) फ्लूरो टैक्नोलॉजी के नए नाम से कर दिया गया । इसमें कंपनी का उल्लेख "डूपोंट चांगशू" के रूप में किया गया है । यह नाम सत्यापन की तारीख तक बना हुआ है । यह कंपनी डूपोंट चाइना होल्डिंग कंपनी लि.-जो चीन की एक कंपनी है, के पूर्ण स्वामित्व में है जो डूपोंट चाइना लि.-जो अमरीका आधारित कंपनी है की पूर्ण स्वामित्व में है ।

19. सत्यापन की कार्यवाई के दौरान यह नोट किया गया है कि कंपनी में अध्यक्ष सहित *** निदेशक हैं और उन सबने डूपोंट चांगशू में निदेशक बनने से पूर्व *** से अधिक वर्षों तक डीपोंट समूह की कई कंपनियों में विभिन्न पदों पर काम किया है । यह नोट किया गया है कि यह कंपनी विखंडन द्वारा स्थापित की गई थी । उसने जमीन का अर्जन ब्यूरो ऑफ लैंड एंड रिसोर्सेज आफ चांगशू, जियांगशू प्रांत से की थी । उसने *** आर एम बी की प्रीमियम पर *** वर्ष की अवधि के लिए *** वर्ग मी. हेतु भू-उपयोग अधिकार खरीदे थे । भू-उपयोग अधिकार हासिल करने के बाद डूपोंट चांगशू ने विदेश से और चीन के भीतर संयंत्र एवं मशीनें अर्जित की । अधिकांश उपकरण आयातित हैं । *** आर एम बी मूल्य की कुल मशीनों में से घरेलू रूप से खरीदी गई मशीनें *** आर एम बी (***%) की हैं और आयातित मशीनें *** आर एम बी (***%) की हैं, जैसा कि उनकी लेखा प्रणाली स सृजित विवरण से पता चलता है ।

20. डूपोंट चांगशू चीनी जी ए ए पी के अनुसार लेखे रखती है और ये अमरीकी जी ए ए पी के अनुसार भी हैं । संबद्ध उत्पाद के विनिर्माण की प्रौद्योगिकी ई आई डूपोंट-डी नेमरस एंड कंपनी -समूह की एक कंपनी से अर्जित की गई थी । उक्त प्रौद्योगिकी के संबंध में डूपोंट चांगशू ने टी एफ ई का उपयोग मूल कच्ची सामग्री के रूप में किया जिसका बाद में पी टी एफ ई के उत्पादन हेतु पॉलीमरीकरण किया गया । चूंकि प्रमुख कच्ची सामग्री टी एफ ई थी, इसलिए उक्त कच्ची सामग्री के आपूर्ति के स्रोत का सत्यापन किया गया । यह पाया गया कि डूपोंट चांगशू असंबद्ध आपूर्तिकर्ता से टी एफ ई की खरीद कर रही है जो राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है । यह भी बताया गया कि वे टी एफ ई की आपूर्ति केवल डूपोंट चांगशू को पाइपलाइन के जरिए करते हैं । चूंकि कच्ची सामग्री का कोई अन्य आपूर्तिकर्ता नहीं था और राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी अनन्य रूप से डूपोंट चांगशू को आपूर्ति कर रही थी, इसलिए कच्ची सामग्री की बाजार कीमत की पुष्टि नहीं हो सकी । इसके अलावा, कच्ची सामग्री की कीमत में राज्य के हस्तक्षेप से इंकार नहीं किया जा सकता । सत्यापन के दौरान पी टी एफ ई का उत्पादक और निर्यातक पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) की इस अपेक्षा को सिद्ध करने में असमर्थ रहा कि क्या प्रमुख निविष्टि की लागत में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है ।

21. अतः उपर्युक्त के आधार पर प्राधिकारी ने मै. डूपोंट को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है ।

ड.1 चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

22. जैसा कि रिकॉर्ड किया जा चुका है, प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ डूपोंट को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया है । अतः प्राधिकारी ने नियमावली

के अनुबंध-1 के पैरा 7 के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया है । पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंध है कि :

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

23. उपर्युक्तानुसार पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में लागत या कीमत के आधार पर करना अपेक्षित होता है। यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में विचाराधीन उत्पाद की कीमत के बारे में कोई सूचना प्रदान नहीं कर पाया है । चीन के प्रतिवादी निर्यातक के बारे में यह प्रतीत होता है कि उसके पास यूरोप में विनिर्माण सुविधाएं हैं तथापि कंपनी ने यूरोप में विचाराधीन उत्पाद की लागत या कीमत के बारे में कोई सूचना प्रदान नहीं की है । इसके अलावा, एक यूरोपीय देश पर अमरीका में पाटनरोधी शुल्क लागू है । भारत के लिए बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश से विचाराधीन उत्पाद की कीमत को भी स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि यह सिद्ध नहीं किया गया है कि ये कीमतें व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में हैं । इन परिस्थितियों में प्राधिकारी उत्पादन की परिकलित लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए बाध्य हुए हैं । सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख निविष्टि की अंतर्राष्ट्रीय कीमत, खपत मानक, परिवर्तन लागत तथा घरेलू उद्योग के एस जी ए व्यय को ध्यान में रखने के बाद और 5% के उचित लाभ मार्जिन को जोड़ने के बाद किया गया है । सामान्य मूल्य निम्नानुसार बनता है :

सामग्री की राहत	****
उपयोगिता लागत	****
परिवर्तित लागत	****
एस जी ए एवं वित्त लागत	****
तथा वित्त लागत	****
5% की दर से लाभ मार्जिन	****
सामान्य मूल्य (रु. प्रति किग्रा.)	****

भारतीय रूप की अम.डॉ. में विनिमय दर	****
सामान्य मूल्य (अम.डॉ. प्रति किग्रा.)	9.25

ड.2 मै. ड्रुपोंट के मामले में निवल निर्यात कीमत

24. निर्यात कीमत का निर्धारण जांच अवधि के दौरान बेची गई वस्तु की भारत औसत कीमत पर विचार करते हुए ड्रुपोंट द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर किया गया है। निर्यातक के दावे के अनुसार और प्राधिकारी के सत्यापन के अधीन प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े और समुद्री बीमा के लिए कीमत समायोजनों की अनुमति दी है। समस्त समायोजनों के बाद निर्धारित निवल निर्यात कीमत भारत औसत आधार पर *** अम.डॉ. प्रति किग्रा. बनती है।

ड.3 शेनडॉंग डांगयू पॉलीमर मैटीरियल कंपनी तथा अन्य निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने प्राधिकारी के साथ सहयोग करने से इंकार किया है और स्वयं का सत्यापन नहीं कराया है। प्राधिकारी ने इस निर्यातक को असहयोगी माना है। आवेदक के इस दावे के मद्देनजर निर्यातकों के रिकॉर्डों का सत्यापन अत्यंत महत्वपूर्ण है कि जिस कीमत पर भारत में निकासी हेतु संबद्ध वस्तु सूचित की गई है वह कीमत उस कीमत से काफी अधिक है जिस कीमत पर निर्यातक द्वारा उस वस्तु का वास्तव में बीजक तैयार किया गया है। इस प्रकार निर्यात कीमत के दावों का सत्यापन उस निर्यातक के रिकॉर्डों के साथ करना अनिवार्य था और यह निर्यातक के असहयोग के कारण अव्यवहार्य बन गया। इस बात के मद्देनजर निर्यात कीमत का निर्धारण कमतर प्रतिनिधि स्तर पर अन्य निर्यातकों के लिए किया गया है जिसे *** अम.डॉ./किग्रा. के रूप में किया गया है।

ड.4 पाटन मार्जिन

26. पाटन मार्जिन का निर्धारण उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:-

अम.डॉ. में	ड्रुपोंट	चीन का कोई अन्य उत्पादक/निर्यातक
सामान्य मूल्य	9.25	9.25
निवल निर्यात कीमत	****	****
पाटन मार्जिन डॉलर में	****	****
पाटन मार्जिन%	52-57	55-60

च. क्षति निर्धारण

घरेलू उद्योग के विचार

27. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि चीन और रूस से संबद्ध वस्तु के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जैसा कि निम्नलिखित से स्पष्ट हो जाता है:

- (क) रूस के मामले में आयात भारी मात्रा में जारी रहे ।
- (ख) चीन के मामले में मूल जांच अवधि की तुलना में आयातों में भारी वृद्धि हुई ।
- (ग) पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद चीन से आयातों में वृद्धि हुई ।
- (घ) चीन के मामले में आयातों का हिस्सा भारत में मांग/खपत की तुलना में काफी अधिक बना रहा ।
- (ङ) देश के भीतर पर्याप्त क्षमता और उत्पादन होने के बावजूद चीन से आयातों की पर्याप्त मात्रा ।
- (च) चीन और रूस (दोनों से अलग-अलग रूप में) से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हुई ।
- (छ) आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री हुई ।
- (ज) घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रतिकूल बना हुआ है । वस्तुतः घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं का उपयोग करने से वंचित हुआ है । यद्यपि घरेलू उद्योग ने अपना उत्पादन कम स्तर पर रखा है, तथापि मालसूची 8-10 बिक्री माह के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गई । देश में मांग की तुलना में बिक्री मात्रा काफी कम है । घरेलू उद्योग अत्यधिक वित्तीय घाटे, निवेश पर ऋणात्मक आय और नकद लाभ में हानि का सामना कर रहा है । घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नलिखित के मद्देनजर काफी कम है ।
- (झ) परियोजना रिपोर्ट में अनुमानों की तुलना ।
- (ट) घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है ।
- (ठ) मालसूची में भारी वृद्धि हुई है ।
- (ड) घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु के बाजार हिस्से में गिरावट प्रदर्शित हुई है ।
- (ढ) घाटे में पहले गिरावट आई लेकिन बाद में वृद्धि हुई है ।
- (ण) बिक्री मात्रा में वृद्धि हुई है । लेकिन, लाभप्रदता में भारी गिरावट आई है ।
- (त) लगाई गई पूंजी पर आय में पहले सुधार हुआ और बारद में गिरावट आई ।
- (थ) कीमत कटौती में सकारात्मक है ।
- (द) आयतों के कारण घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु कीमत में हास हो रहा है ।
- (ध) वृद्धि में ऋणात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हो रही है ।
- (न) नकद लाभ में पहले सुधार हुआ लेकिन बाद में गिरावट आई है ।
- (प) रोजगार एवं मजदूरी में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है ।
- (फ) एक याचिकाकर्ता कंपनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है; जबकि बहु उत्पाद कंपनी होने के कारण दूसरी कंपनी पर पूंजी जुटाने की क्षमता के संबंध में कोई खास प्रभाव प्रदर्शित नहीं हो रहा है ।

आयातकों तथा प्रयोक्ताओं के विचार

28. विभिन्न आयातकों तथा प्रयोक्ताओं ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं :-

- (क) घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से और बिक्री, दोनों में जांच अवधि में सुधार हुआ है ।
- (ख) याचिकाकर्ता ने केवल 10 माह की अवधि के आंकड़े प्रस्तुत किए हैं जो शुल्क लगाने का आधार नहीं बन सकते हैं ।
- (ग) क्षति रहित कीमत की गणना करते समय ऋण हेतु आवश्यक समायोजन किए जाने चाहिए क्योंकि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. की अंतर्राष्ट्रीय ऋण बाजार में उपस्थिति मजबूत है ।
- (घ) गुजरात फ्लूरोकैमिकल्स लि. ने दिसंबर, 2007 में ही संबद्ध वस्तु का अपना उत्पादन शुरू किया है । अतः उसे इष्टतम उत्पादन तथा बिक्री स्तर प्राप्त करने के लिए कुछ और समय की जरूरत है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

29. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के विचारों की जांच की है । यह नोट किया जाता है कि

- (क) जहां तक घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से और बिक्री में वृद्धि का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने जांच अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है । अतः घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में हुई कुछ वृद्धि तथा बाजार हिस्से में परिणामी वृद्धि उत्पादन की इस शुरुआत के कारण हुई है ।
- (ख) जहां तक उस अवधि का संबंध है, जिसके लिए क्षति संबंधी आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने इसी अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है; हिंदुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. ने समूची क्षति अवधि में उत्पादन किया था । कंपनी ने क्षति निर्धारण से संगत सूचना प्रदान की है । अतः घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच वर्तमान जांच में जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए की गई है ।
- (ग) कार्बन ऋण हेतु तरजीह प्रदान करने के बाद क्षति रहित कीमत के निर्धारण के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति रहित कीमत का निर्धारण सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा रखे गए रिकॉर्डों के आधार पर किया गया है । विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए अपेक्षित कच्ची सामग्री से कार्बन ऋण का कोई लाभ नहीं मिलता है । कार्बन ऋण एच एफ सी -23 (आर-23 के नाम से भी ज्ञात) के लिए प्राप्त होता है और यह सामग्री विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु कच्ची सामग्री नहीं है । इसके अलावा, चूंकि घरेलू उद्योग आर-22 का आबद्ध उत्पादन कर रहा है,

इसलिए प्राधिकारी के लिए आर-22 की बाजार कीमत पर विचार करना अपेक्षित है । अतः आर-22 की उत्पादन लागत पी टी एफ ई की क्षति रहित कीमत के निर्धारण हेतु किसी भी तरह से प्रासंगिक नहीं है ।

(घ) जहां तक गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. द्वारा केवल जांच अवधि में ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने और इसकी अवधि कम होने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि :

- i) याचिकाकर्ता ने वाणिज्यिक उत्पादन की सीमा तक क्षति संबंधी सूचना प्रदान की है । याचिकाकर्ता ने अधिकतम उपलब्ध सीमा तक निष्पादन प्रदर्शित करने के लिए अपने अनुरोधों में परिवर्ती अवधि की, सूचना प्रदान की ;
- ii) याचिकाकर्ता ने परियोजना रिपोर्ट में जो सूचना उपलब्ध की है, जिसके आधार पर वर्तमान संयंत्र की परिकल्पना की गई थी, जिससे यह पता चलता है कि परियोजना रिपोर्ट में परिकल्पित निष्पादन की तुलना में निष्पादन अब तक प्रतिकूल रहा है ।
- iii) यह दावा किया गया है कि यदि परियोजना रिपोर्ट में परिकल्पित क्षति रहित कीमत पर विचार किया जाए तो आयात की पहुंच कीमत ऐसी क्षति रहित कीमत से काफी कम है ।

(च) आयातकों और निर्यातकों ने यह तर्क दिया है कि प्राधिकारी को क्षति की उस सीमा तक जांच करनी चाहिए और यह जांच करनी चाहिए कि शुरुआती प्रचालनों से संबद्ध लागत में कितना योगदान किया है । जहां तक उत्पादन के हाल के वाणिज्यीकरण के कारण शुरुआती लागत और घाटे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स की परियोजना रिपोर्ट से यह पता चलता है कि उसमें उत्पादन की शुरुआत के पहले ही वर्ष में लाभ प्राप्त हुआ है । यह नोट किया जाता है कि प्रचालनों के प्रथम दो माह के लिए शुरुआती लागत का पूंजीकरण किया गया है । इस प्रकार इससे कंपनी का क्षति विश्लेषण प्रभावित नहीं हुआ है ।

प्राधिकारी द्वारा क्षति के मापदंडों की जांच

30. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।

31. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-2 के अनुसार उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संकेतकों पर विचार किया गा है ।

32. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा जांच है । नियम-23 में यह उपबंध है कि नियम 11 के उपबंध समीक्षा के मामले में भी आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे । अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों में आवश्यक परिवर्तनों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति निर्धारित की है । इसके अलावा, चूंकि विचाराधीन उत्पादों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, इसलिए प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया है कि चीन और रूस से हुए आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय विचार करना अपेक्षित है । प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है ।

33. पूर्ववर्ती जांच के समय भारत में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन केवल हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. द्वारा किया जा रहा था । वर्तमान याचिका गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने दायर की है जिसने विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन हेतु नई उत्पादन क्षमता स्थापित की है । गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने वाणिज्यिक उत्पादन दिसंबर, 2007 में शुरू किया । अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. एवं हिंदुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए किया है । इसके अलावा, चूंकि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने दिसंबर, 2007 में ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है और उसने हिंदुस्तान फ्लूरोकार्बन्स लि. से काफी अधिक क्षमता स्थापित की है । इसलिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति के निर्धारण हेतु संगत है । मै. जी एफ एल ने उत्पादन दिसंबर, 2007 में शुरू किया है और इसलिए मै. जी एफ एल हेतु आनुपातिक क्षमता की गणना कर उसे मै. एच एफ एल की क्षमता में जोड़ा गया है ताकि वर्ष 2007-08 और जांच अवधि में घरेलू उद्योग की कुल क्षमता निर्धारित की जा सके ।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव: आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

34. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।

35. याचिका में एक प्रमुख आधार यह दिया गया था कि भारत में वस्तु की निकासी हेतु सूचित आयात कीमत वह वास्तविक कीमत नहीं है जिस पर चीन से उक्त वस्तु का निर्यात किया गया है । जांच के दौरान घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण मात्रा और खासकर कीमत प्रभाव का निर्धारण चीन सीमाशुल्क के जरिए वर्ल्ड ट्रेड एटलस में उपलब्ध आयात आंकड़ों से किया जाना चाहिए । दूसरी ओर विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों (आयातकों ने) यह कहते हुए इसका विरोध किया है कि चीन सीमाशुल्क के आंकड़ों में वे आयात शामिल हो सकते हैं जो भारत में आए नहीं हैं क्योंकि इनकी बिक्री तीसरे पक्षकार की बिक्री के रूप में हो सकती है ।

प्राधिकारी ने चीन सीमाशुल्क के आंकड़ों (वर्ल्ड ट्रेड एटलस में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार), डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों तथा आई बी आई एस के अनुसार आयात से संबंधित सूचना की विस्तृत जांच की। वर्ल्ड ट्रेड एटलस में सूचित आयात की मात्रा डी जी सी आई एंड एस में सूचित आयात की मात्रा से अत्यधिक तुलनीय है। तथापि, चीन सीमाशुल्क के आंकड़ों के अनुसार भारित औसत निर्यात कीमत एवं डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार भारित औसत आयात कीमत (समुद्री भाड़े और बीमा के लिए आवश्यक समायोजन करने के बाद भी) में भारी अंतर है। वस्तुतः यह निर्धारित किया गया है कि वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों में आयात कीमत डी जी सी आई एंड एस अथवा आई बी आई एस की कीमत से काफी कम है और यह सहयोगी निर्यातक मै. डूपोंट के लिए दावा की गई और निर्धारित निर्यात कीमत के अनुरूप है।

यह भी नोट किया गया है कि चीन के केवल दो उत्पादकों ने जांच की शुरुआत के चरण पर आरंभ में प्राधिकारी को उत्तर दिया था। यद्यपि मै. डूपोंट ने प्राधिकारी के साथ पूर्ण सहयोग किया है, तथापि यह पाया गया है कि मै. शेनडोंग डांगयू कैमिकल कंपनी लि. ने प्राधिकारी के साथ पूर्ण सहयोग नहीं किया है। वस्तुतः कंपनी ने इस बात की सूचना दिए जाने के बावजूद अपने आंकड़ों का मौके पर सत्यापन नहीं कराया कि सत्यापन हेतु उनके असहयोग की स्थिति में प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के अनुसार आंकड़े अपनाने के लिए बाध्य होंगे। घरेलू उद्योग द्वारा भारतीय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को सूचित आयात कीमत पर दी गई गंभीर चुनौती के मद्देनजर यह और अधिक महत्वपूर्ण तथा आवश्यक हो गया था। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी मै. डूपोंट को छोड़कर समस्त निर्यातकों के लिए चीन सीमाशुल्क के आंकड़ों के आधार पर चीन जन.गण. से निर्यात कीमत निर्धारित करना उचित समझते हैं। चूंकि निर्यातों की मात्रा और मूल्य के बारे में माह वार सूचना उपलब्ध है, इसलिए प्राधिकारी ने चीन के संबंध में निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु उसी पर भरोसा किया है।

36. देश में उत्पाद की मांग का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री तथा समस्त स्रोतों से हुए आयात की राशि के रूप में किया गया है। कुल आयातों और भारत में मांग में संबद्ध देश का हिस्सा निम्नानुसार है:

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.-सितं.08 (जांच अवधि)
देश					
चीन जन.गण.	मी.ट.	644	778	1,153	1,180
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	121	179	183
अन्य	मी.ट.	777	950	1,012	1,137
कुल	मी.ट.	1,421	1,728	2,165	2,317
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	152	163
कुल मांग में संबद्ध देश का हिस्सा	%	45.31	45.01	53.27	50.93
मांग की तुलना में संबद्ध देश का हिस्सा	%	37.24	38.95	49.09	42.91

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि

- क. इस तथ्य के बावजूद कि चीन से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, आयात की मात्रा में भारी वृद्धि हुई है ।
- ख. यह नोट किया जाता है कि उत्पादन की तुलना में चीन से आयातों में गिरावट आई है । यह भी नोट किया जाता है कि ऐसा भारत में क्षमता वृद्धि (गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. द्वारा) और उत्पादन में परिणामी वृद्धि के कारण हुआ है ।
- ग. उपर्युक्त से यह नोट किया जाता है कि भारत में खपत की तुलना में चीन से आयातों में गिरावट आई है तथापि, ऐसा गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. द्वारा भारत में क्षमता वृद्धि और खपत में परिणामी वृद्धि के कारण हुआ है ।

आयातों का कीमत प्रभाव

38. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा अत्यधिक ह्रास हुआ है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा काफी अधिक बढ़ गई होती । निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच संबद्ध उत्पाद हेतु तुलना की गई थी । घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का निर्धारण व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को छोड़कर किया गया है । इस तुलना से यह पता चलता है कि चीन से हुए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही थी ।

कीमत कटौती-चीन (वर्ल्ड ट्रेड एटलस, चीन सीमाशुल्क के आंकड़ों के आधार पर)

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
पहुंच कीमत	रु. किग्रा.	285.50	307.42	258.16	271.54
निवल बिक्री प्राप्ति	रु. किग्रा.	****	****	****	****
कीमत कटौती	रु. किग्रा.	****	****	****	****
कीमत कटौती	%	25-35%	25-35%	35-45%	15-23%

39. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा की गई कम कीमत पर बिक्री की भी जांच की है और यह नोट किया है कि संबद्ध देश से पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत एवं उत्पादन लागत से काफी कम है । इसके अलावा, यद्यपि, संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत में गिरावट आई है, तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में आई गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट में आई गिरावट से काफी अधिक थी । इस प्रकार आयातों से बाजार में संबद्ध वस्तु की कीमत में ह्रास हो रहा है ।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
बिक्री की लागत - घरेलू	रु. किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	115	84
बिक्री कीमत प्रति इकाई - घरेलू	रु. किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	98	77
पहुंच कीमत	रु. किग्रा.	285.50	307.42	258.16	271.54

40. आगे यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत तथा क्षति रहित कीमत से काफी कम है। अतः पाटित आयातों के कारण बाजार में कम कीमत पर बिक्री हो रही है।

विवरण	इकाई	ड्रॉपट	अन्य असहयोगी निर्यातक
आयातों की पहुंच कीमत	अम. डा. प्रति किग्रा.	****	6.80
घरेलू उद्योग की उत्पादन की लागत	अम. डा. प्रति किग्रा.	****	****
घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	अम. डा. प्रति किग्रा.	****	****
कम कीमत पर बिक्री राशि	अम. डा. प्रति किग्रा.	****	****
कम कीमत पर बिक्री %	%	32-38	65-70

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

41. नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग

को वास्तविक क्षति हुई है । तथापि, वर्तमान जांच एक मध्यावधि समीक्षा जांच होने के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण आवश्यक परिवर्तनों के आधार पर करना अपेक्षित है । इसके अलावा, प्राधिकारी ने यह भी जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षतिकारी पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं है । इसके अलावा, जहां केवल हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. मूल जांच के समय उत्पादन कर रहा था, वहीं हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. से काफी अधिक क्षमता के साथ गुजरात फ्लूरो कार्बन्स लि. ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है और वह भी दिसंबर, 2007 में (अर्थात् जांच अवधि में ही) । घरेलू उद्योग से संबंधित क्षति के विभिन्न मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :

उत्पादन, बिक्री तथा क्षमता उपयोग:

42. घरेलू उद्योग के घरेलू उत्पादन की मात्रा और घरेलू प्रचालन पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू बिक्री के संबंध में की गई है ।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सितं.08 (जांच अवधि)
स्थापित क्षमता*	मी. ट.	500	500	2,333	5,083
आउटपुट/उत्पादन	मी. ट.	228	245	826	1,478
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	361	647
क्षमता उपयोग	%	45.69	49.00	35.38	29.07
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	77	64
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. ट.	308	269	184	433
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	87	60	141

43. यह नोट किया जाता है कि

- क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की क्षमता में अत्यधिक वृद्धि हुई है । जैसा कि पूर्व में उल्लेख किया गया है कि गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने हिन्दुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि. से काफी अधिक स्थापित क्षमता के साथ एक संयंत्र स्थापित किया है ।
- घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और परिणामतः उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि हुई है । इन मापदंडों में यह वृद्धि देश में नई उत्पादन सुविधाओं की शुरुआत के कारण हुई है । यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि की तुलना में चीन से आयात की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि हुई है ।
- घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में गिरावट आई है । इससे यह सिद्ध होता है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों की मौजूदगी के मद्देनजर मौजूदा मांग के बावजूद अपनी क्षमता का उपयोग करने में समर्थ नहीं रहा है ।

बाजार हिस्सा:

44. घरेलू बिक्री पर पाटित आयातों के प्रभाव और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की निम्नानुसार जांच की गई है:

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.-सितं. 08 (जांच अवधि)
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.	644	778	1,153	1,180
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	777	950	1,012	1,137
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	308	269	184	433
भारत में कुल मांग	मी.ट.	1,729	1,997	2,349	2,750
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग का हिस्सा	%	17.83	13.46	7.84	15.75
चीन जन.गण. का हिस्सा	%	37.24	38.95	49.09	42.91
अन्य देशों का हिस्सा	%	44.94	47.59	43.07	41.34
कुल	%	100.00	100.00	100.00	100.00

- क. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है ।
- ख. आगे यह नोट किया जाता है कि पूर्ववर्ती वर्ष से जांच अवधि में बाजार हिस्से में कुछ वृद्धि हुई है लेकिन वह अभी भी पूर्व में दर्ज बाजार हिस्से से काफी कम है ।
- ग. इसके अलावा, इस तथ्य के मद्देनजर कि नई उत्पादन सुविधाओं से मै. जी एफ एल हेतु जांच अवधि में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने में मदद मिली है जो घरेलू उद्योग के अंगस्वरूप दोनों घरेलू उत्पादकों में से एक है, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पूर्व में दर्ज स्तर से काफी अधिक वृद्धि होने की आशा थी । तथापि, चीन से हुए आयातों का अभी भी भारत में विचाराधीन उत्पाद की मांग में बढ़ा हिस्सा है ।

लाभ/हानि, नकद प्रवाह तथा निवेश पर आय

45. घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री से घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ, नकद प्रवाह और निवेश पर आय निम्नानुसार है: -

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.-सितं. 08 (जांच अवधि)
बिक्री की लागत- घरेलू	रु. किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	99	115	84
प्रति इकाई बिक्री कीमत-घरेलू	रु. किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	98	77

लाभ/हानि (पीबीटी) -घरेलू	रु. किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(94)	(141)	(96)
लाभ/हानि (पीबीटी)	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(82)	(84)	(135)
लाभ/हानि (पीबीटी)	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(79)	(83)	(123)
नकद लाभ	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(71)	(94)	(125)
एन एफ ए आधार पर नियोजित पूंजी पर आय	%	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(156)	(11)	(9)

46. यह नोट किया जाता है कि

- क. घरेलू उद्योग को पहले से ही भारी वित्तीय घाटा हो रहा था । चीन जन.गण. से मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद जांच अवधि में स्थिति और खराब हो गई । घरेलू उद्योग को जांच अवधि में अधिक घाटा हुआ है ।
- ख. पूर्ववर्ती वर्षों में निवेश पर आय अत्यधिक नकारात्मक थी । यह नकारात्मक बनी हुई है यद्यपि, निवेश पर आय के संबंध में स्थिति में सुधार हुआ है ।
- ग. घरेलू उद्योग को समूची क्षति अवधि के दौरान नकारात्मक नकद लाभ हुआ है । इसके अलावा, जांच अवधि में नकद घाटे का स्तर बढ़ा है ।

कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

47. चीन एवं अन्य देशों से आयात कीमत, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा पर विचार करने के बाद पाटित आयातों से इतर कारकों जिनका घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव पड़ सकता है, से यह पता चलता है कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम है । जिससे वर्ल्ड ट्रेड एटलस के आंकड़ों के अनुसार भारतीय बाजार में कीम कटौती हुई है । अन्य देशों से आयात काफी अधिक कीमत पर हुए हैं । इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है । उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हो रही है और यह घरेलू उद्योग के समक्ष उपस्थित कीमत ह्रास की स्थिति के लिए जिम्मेवार कारक नहीं हो सकता । अतः यह प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग की कीमत के लिए जिम्मेवार प्रमुख कारकों में से एक कारक चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु की आयात कीमत तथा घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत है । सूचना से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग उस कीमत को वसूलने से वंचित हुआ है जिससे उत्पादन लागत प्राप्त हो सकती थी ।

रोजगार, उत्पादकता तथा मजदूरी

48. घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित कर्मचारियों की संख्या, उसकी उत्पादकता और प्रदत्त मजदूरी से निम्नानुसार पता चलता है :-

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.-सितं. 08 (जांच अवधि)
रोजगार	संख्या	153	146	167	224
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	109	146
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	165	252
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	1.49	1.68	4.94	6.61
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	113	331	443

49. यह नोट किया जाता है कि रोजगार में वृद्धि हुई है । रोजगार में यह वृद्धि जांच अवधि के दौरान क्षमता जोड़ने के कारण हुई है । प्रदत्त मजदूरी में भी वृद्धि हुई है । घरेलू उद्योग की उत्पादकता में अत्यधिक सुधार प्रदर्शित हुआ है ।

मालसूची

50. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग के पास संबद्ध वस्तु की मालसूची में अत्यधिक वृद्धि प्रदर्शित हुई है । यद्यपि, यह नोट किया जाता है कि मालसूची में कुछ वृद्धि एक और कंपनी द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किए जाने के कारण हो सकती है । तथापि, मालसूची में हुई यह वृद्धि काफी अधिक है ।

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू.-सितं.08 (जांच अवधि)
अथ स्टॉक	मी.ट.	112	32	8	3
इति स्टॉक	मी.ट.	32	8	490	414
औसत स्टॉक	मी.ट.	72	20	249	208
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	28	347	290
स्टॉक में बिक्री दिवसों की संख्या	संख्या	38	11	972	349
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	30	2,566	920

पाटन की मात्रा

51. निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है जिसे अत्यधिक माना गया है ।

वृद्धि

52. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को कई मापदंडों के संबंध में नकारात्मक वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है। आगे यह नोट किया जाता है कि यद्यपि उत्पादन एवं बिक्री मात्रा में कुछ सकारात्मक वृद्धि हुई है, तथापि उसे उस स्तर से कम माना जाता है जिसे घरेलू उद्योग सतत पाटन के अभाव में प्राप्त कर सकता था।

वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष आधार पर)	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	अक्टू-सित.08 (जांच अवधि)
बिक्री मात्रा में वृद्धि	%		(10-15)	(30-35)	130-140
उत्पादन में वृद्धि	%		5-10	230-240	75-85
मांग में वृद्धि	%		10-20	10-20	10-20
प्रति इकाई बिक्री कीमत में वृद्धि	%		2-8	(3-10)	(15-25)
प्रति इकाई बिक्री लागत में वृद्धि	%		(1-3)	10-20	(20-305)
प्रति इकाई लाभ/हानि में वृद्धि	%		3-10	(45-55)	30-40
लाभ में वृद्धि (पीबीआईटी)	%		15-25	(3-10)	(40-50)
नकद लाभ में वृद्धि	%		25-35	30-40	25-35
आर ओ आई में वृद्धि	%		(45-55)	120-130	
मालसूची में वृद्धि	%		(65-75)	1100-1200	(12-22)

नया निवेश जुटाने की क्षमता

53. यह नोट किया जाता है कि एक घरेलू उद्योग (गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि.) एक बहु उत्पाद कंपनी है जबकि दूसरा (हिंदुस्तान फ्लूरो कार्बन्स लि.) मै. एच ओ सी एल, जो भी एक बहु उत्पाद कंपनी है, की एक सहायक कंपनी है। घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि यह उत्पाद पूंजी गहन है और इस पर पिछले कुछ समय से वित्तीय घाटा हो रहा है। मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने यह दावा किया है कि उसकी योजना विचाराधीन उत्पाद की क्षमता में और विस्तार करने की है। तथापि, कंपनी ने सतत प्रतिकूल निष्पादन के कारण उसे रोक रखा है।

क्षति के बारे में निष्कर्ष

54. उपर्युक्त क्षति मापदंडों की जांच करने के बाद और इस तथ्य पर विचार करने के बाद कि चीन और रूस से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि देश में मांग में समग्र वृद्धि तथा नई क्षमताओं को जोड़ने के बावजूद चीन से विचाराधीन उत्पाद के आयात में समग्र रूप में तथा भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई है। यद्यपि, पूर्ववर्ती वर्ष

की तुलना में जांच अवधि में भारत में मांग/खपत में आयातों के हिस्से में गिरावट आई है, तथापि, वह पूर्ववर्ती वर्षों की तुलना में अभी भी अधिक है। मै. गुजरात फ्लूरो कैमिकल्स लि. ने जांच अवधि के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया। घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच नई कंपनी द्वारा क्षमता वृद्धि और नए उत्पादन के मद्देनजर की गई है। यह नोट किया जाता है कि चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में कटौती हो रही है। इसके अलावा, चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत के कारण घरेलू बाजार में कीमत हास हुआ है। जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, घरेलू उद्योग का निष्पादन क्षमता उपयोग, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद लाभ, मालसूची के कारण प्रतिकूल बना हुआ है। यद्यपि, उनमें मांग में वृद्धि तथा पूर्व में लागू पाटनरोधी शुल्क के कारण सुधार हुआ है।

उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार नहीं हुआ है। घरेलू उद्योग की स्थिति नाजुक और प्रतिकूल बनी हुई है। मौजूदा उपाय क्षतिकारी पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। घरेलू उद्योग को सतत वास्तविक क्षति हुई है।

छ कारणात्मक संबंध

55. पाटनरोधी नियमों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से भिन्न ऐसे किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करना अपक्षित है जिससे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है ताकि इन अन्य कारकों से हुई क्षति की वजह पाटित आयातों को न माना जा सके। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें अन्य के साथ-साथ पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा निर्यात निष्पादन एवं घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं। इस बात की जांच की गई थी कि क्या नियमावली में सूचीबद्ध इन अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है। यह पाया गया था कि

(क) **तीसरे देशों से आयात :** प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन और रूस से भिन्न देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात की कीमत पाटनरोधी शुल्क के अधीन देशों से आयात कीमत से काफी अधिक है।

(ख) **मांग में कमी :** क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं आई है। इसके विपरीत, क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र मांग में अत्यधिक सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

(ग.) **खपत की पद्धति:** यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी की जानकारी में खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई अनुरोध किया है।

(घ) **प्रतिस्पर्धा की स्थितियां :** यह नोट किया जाता है कि अब तक हुई जांच से यह पता नहीं चलता है कि प्रतिस्पर्धा की स्थितियां या व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार घरेलू उद्योग को हुई क्षति के दावे के लिए जिम्मेवार हैं।

(ङ) **प्रौद्योगिकी विकास :** यह नोट किया जाता है कि अब तक हुई जांच से यह पता नहीं चलता है कि प्रौद्योगिकी में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है।

(च) **घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन :** यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा वित्तीय घाटे पर भारी मात्रा में निर्यात किया जा रहा है तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति निर्यातों में संभावित घाटे के कारण हुई है । घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वह बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण देश में अपने उत्पाद की मांग के अभाव की वजह से भी निर्यात करने के लिए बाध्य हुआ है । यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में वृद्धि हुई है । इसके अलावा, कंपनी की निर्यात कीमत भारत में आयात कीमत से काफी अधिक पायी गई है । वस्तुतः निर्यातों के मामले में कीमत घरेलू बिक्री कीमत से अधिक पाई गई है । कंपनी द्वारा कुछेक विकसित देशों सहित विश्व के कई स्थानों को निर्यात किया जा रहा है । इसके अलावा, प्राधिकारी ने वर्तमान क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू एवं निर्यात बाजार में कीमत तथा लाभप्रदता को अलग-अलग किया है । अतः निर्यात निष्पादन के संभावित समावेशन के कारण क्षति विश्लेषण अप्रतिनिधिक नहीं है तथा घरेलू उद्योग को क्षति निर्यातों में संभावित विकृति के कारण नहीं हुई है ।

(छ) **कार्बन क्रेडिट :** जांच के दौरान कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग क्रेडिट की बिक्री से अच्छा राजस्व कमा रहा है । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्रेडिटों का सृजन विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से नहीं हो रहा है और इनका विचाराधीन उत्पाद पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है ।

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि, सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति प्रतीत नहीं होती है, तथापि निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है:

- क. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी । कीमत कटौती के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं ने उच्च मात्रा में आयात किए हैं जिससे घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है ।
- ख. मांग में वृद्धि एवं नई क्षमताएं स्थापित करने के बावजूद बाजार हिस्से में आई गिरावट से घरेलू उद्योग उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में वृद्धि करने से वंचित हुआ है ।
- ग. आयातों की पहुंच कीमत से घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी । ऐसे आयातों के कारण भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री हुई है । परिणामतः आयात की कम कीमत की वजह से घरेलू उद्योग अपनी कीमत बढ़ाने से वंचित हुआ है ।
- घ. घरेलू उद्योग विगत में हुई क्षति से उबरने के लिए अपनी कीमत बढ़ाने में सक्षम नहीं हुआ है । आयातों के कीमत ह्रासकारी प्रभाव के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को सतत वित्तीय घाटा हुआ है और परिणामतः निवेश पर आय तथा नकद लाभ लगातार नकारात्मक रहे हैं । इस प्रकार, लाभ, निवेश पर आय एवं नकद लाभ के कारण सतत प्रतिकूल निष्पादन बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण रहा है ।

57. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निष्कर्षित हैं कि चीन से पाटित आयातों के कारण पाटनरोधी नियमों के नियम 11 तथा पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को प्रतिलक्षित हुई है।

घरेलू उद्योग का संभावना

58. पाटनरोधी जांच चीन से पी टी एफ ई के आयातों पर पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा है। नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी को यह जांच करनी होती है कि क्या पाटनरोधी शुल्क को सतत रूप से लगाया जाना अपेक्षित है। इसमें इस बात पर विचार करना भी अपेक्षित होता है कि क्या लगाए गए शुल्क से क्षतिकारी पाटन समाप्त करने के प्रयोजन की सिद्धि हो रही है। प्राधिकारी ने जांच कर घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन के संदर्भ में पाटन एवं परिणामी क्षति की जांच की है जिसमें घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से क्षतिकारी पाटन को समाप्त करने का प्रयोजन सिद्ध नहीं हो रहा है। अपनी याचिका में घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि शुल्क लगाए जाने के बाद चीन से आयात मात्रा में वृद्धि हुई है और उक्त वस्तु ऐसी प्रकार से प्रचलित की जा रही है कि आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क का भुगतान नहीं किया जा रहा है। निम्न स्रोतों से आयात के आंकड़ों की सामान्य और चीन सीमाशुल्क के आंकड़ों की खास जांच के बाद यह देखा जाता है कि संबद्ध वस्तु का कम कीमत पर लगातार निर्यात किया गया है। घरेलू उद्योग की चेतावनी है कि अपनी याचिका में शुल्क के स्वरूप और उसकी राशि में संशोधन करने की मांग की है।

59. प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क जारी रखने पर विचार करते समय निम्नलिखित मापदंडों पर विचार किया है :-

- (क) मूल जांच के समय और वर्तमान जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक है। पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद उत्पाद का अत्यधिक पाटित कीमतों पर निर्यात जारी है।
- (ख) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद आयात मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। वर्तमान जांच में आयात की मात्रा मूल जांच अवधि की मात्रा से भी अधिक है।
- (ग) उक्त रूप से निपटान योग्य उत्पादन क्षमताएं - घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त तथा अन्य पक्षकारों द्वारा अखंडित सूचना से चीन में पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमताओं की मौजूदगी का पता चलता है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है।

	क्षमता	मांग/खपत (2008)
चीन	42000	27600
अन्य देश	93500	59800
वैश्विक	127500	87400

- (घ) वर्ल्ड ट्रेड एटलस में उपलब्ध सूचना से यह पता चलता है कि चीन से विश्व के विभिन्न देशों को किए गए उत्पाद के निर्यात की मात्रा काफी अधिक है और इनकी कीमत भारत में प्रचलित कीमत से (व्यय हेतु आवश्यक समायोजनों के बाद) काफी कम है ।
- (ङ) घरेलू उद्योग की नाजुक स्थिति - यह दावा किया गया है कि वर्तमान शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है । अतः घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है ।

60. प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन से पाटित आयातों के पाटित कीमतों पर जारी रहने की संभावना है । पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित आयातों की मात्रा में आगे और वृद्धि होने की संभावना है । इसके अलावा घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने की संभावना है । इसके अलावा, पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को हो रही क्षति में वृद्धि होने की संभावना है ।

क्षति की मात्रा तथा क्षति मार्जिन

61. क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध वस्तु की क्षतिरहित कीमत की तुलना उसी विवरण हेतु संबद्ध देश से निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । मै. डूपोंट से संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के निर्धारण के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु का आयात उसकी एक संबद्ध कंपनी मै. ई आई डूपोंट इंडिया प्रा. लि. द्वारा किया गया है जो एक आयातक है । संबद्ध कंपनी मै. ई आई डूपोंट इंडिया प्रा. लि. द्वारा संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य से अधिक कीमत पर संबद्ध वस्तु की बिक्री की जा रही है । क्षति मार्जिन के परिकलन के परियोजनार्थ प्राधिकारी ने समायोजनों, जिनमें अन्य के साथ-साथ आयातक के लाभ मार्जिन तथा उनके बिक्री एवं वितरण व्यय को लिया गया है, को ध्यान में रखते हुए संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य का परिकलन किया है । असहयोगी निर्यातकों के लिए संबद्ध देश के निर्यातकों की भारित औसत पहुंच कीमत का निर्धारण वर्ल्ड ट्रेड एटलस तथा चीन सीमाशुल्क में सूचित एफ ओ बी कीमतों में समायोजन करने के बाद एवं सहयोगी निर्यातक की मात्रा और कीमत को घटाने के बाद किया गया है । क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:

पहुंच कीमत एवं क्षति मार्जिन की गणना डूपोंट के लिए

जांच अवधि (अक्टू. 07-सितं. 08)	चीन जन.गण. से पी टी एफ ई
उत्पादक तथा निर्यातक- डूपोंट (चांगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कं. लि.	कीमत (अम.डॉ.) प्रति कि.ग्रा.
पहुंच कीमत अम.डॉ./प्रति कि. ग्रा.	****

क्षति रहित कीमत (अम.डॉ. प्रति किग्रा.)	****
क्षति मार्जिन (अम.डॉ. प्रति किग्रा.)	****
पहुंच के % के रूप में क्षति मार्जिन	32-38%

पहुंच कीमत एवं क्षति मार्जिन की गणना अप्रतिवादी के लिए

जांच अवधि (अक्टू 07-सितं. 08)	चीन जन.गण. से पी टी एफई
विवरण	कीमत (अम.डॉ) प्रति किग्रा.
सी आई एफ निर्यात कीमत अम. डॉ. प्रति किग्रा.	****
1% की दर से पहुंच प्रभार	****
निर्धारणीय मूल्य	****
7.725% की दर से सीमा शुल्क आधार पर (बीसीडी-7.5%+बी सी डी पर सेस-3%)	****
कुल (एएसएस. + बीसीडी)	****
पहुंच कीमत (अम.डॉ. प्रति किग्रा.)	****
क्षति रहित कीमत (अम.डॉ. प्रति किग्रा.)	****
क्षति मार्जिन (अम.डॉ. प्रति किग्रा.)	****
पहुंच के % के रूप में क्षति मार्जिन	65-70%

भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

62. प्राधिकारी स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है । तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होगा, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और उपभोक्ताओं के लिए संबद्ध वस्तु का व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से होने वाले आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इस प्रकार उपभोक्ताओं के उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

अंतिम जांच परिणाम:

63. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों तथा हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध के जरिए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों अथवा उपर्युक्त जांच परिणाम में अन्यथा दर्ज तथ्यों को ध्यान में रखते हुए तथा वर्तमान पाटन तथा क्षति की स्थिति एवं पाटन तथा क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- i. संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही है और चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन काफी अधिक तथा न्यूनतम निर्धारित सीमा से ज्यादा है । संबद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर भारत को निर्यात मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद जारी है ।
- ii. रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए वर्तमान उपाय समाप्त किए जाने की स्थिति में भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटित कीमतों पर प्रवेश होने की संभावना है ।
- iii. मौजूदा पाटनरोधी शुल्क के बावजूद घरेलू उद्योग की स्थिति में आगे और गिरावट आई है । इसके अलावा, वर्तमान पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति जारी रहने और उसमें बढ़ोत्तरी होने की संभावना है ।
- iv. चीन जन.गण. से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग का निष्पादन खराब हुआ है ।

64. यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि उत्पाद का निर्यात पाटित कीमतों पर जारी है, वर्तमान पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन से लागू पाटनरोधी शुल्क में संशोधन की जरूरत की पुष्टि होती है, घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है तथा शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में चीन जन.गण. से पाटन तथा आयातों के कारण क्षति जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, प्राधिकारी का मत यह है कि पाटनरोधी शुल्क के स्वरूप में परिवर्तन अपेक्षित है, लागू उपाय को जारी रखना अपेक्षित है तथा चीन जन.गण. से आयातों के संबंध में पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधन करना अपेक्षित है ।

65. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। क्षति की मात्रा का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना जाँच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष	विवरण	निर्दिष्टन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	3904 61	पॉलीटेटरा फ्लूरो-एथेलीन (पीटीएफई)	कोई	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	डूपोट (वेगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कं. लि.	डूपोट (वेगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कं. लि.	3.01	किग्रा.	अम. डॉ.
2.	3904 61	पॉलीटेटरा फ्लूरो-एथेलीन (पीटीएफई)	कोई	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	डूपोट (वेगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कं. लि.	डूपोट (वेगशू) फ्लूरो टेक्नोलॉजी कं. लि. से इतर कोई	3.38	किग्रा.	अम. डॉ.
3.	3904 61	पॉलीटेटरा फ्लूरो-एथेलीन (पीटीएफई)	कोई	चीन जन.गण.	कोई	उपर्युक्त को छोड़कर कोई	कोई	3.38	किग्रा.	अम. डॉ.
4	3904 61	पॉलीटेटरा फ्लूरो-एथेलीन (पीटीएफई)	कोई	रूस तथा चीन को छोड़कर कोई	चीन जन.गण.	कोई	कोई	3.38	किग्रा.	अम. डॉ.

66. इस सिफारिश के परिणामस्वरूप केन्द्र सरकार के आदेशों के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 26th February, 2010

Final Findings (Mid Term Review)**Subject : Mid-term Review regarding anti-dumping duty imposed on imports of Polytetrafluoroethylene (PTFE) originating in or exported from China PR.**

No. 15/33/2008-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A Background of the Case

1. Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the AD Rules); recommended imposition of Anti Dumping duty on the imports of Polytetrafluoroethylene (hereinafter also referred to as PTFE or the subject goods) originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country) falling under Sub-heading 39046100. The final findings were notified vide notification No 14/25/2003-DGAD dated 25th July, 2005 and definitive anti dumping duty was imposed vide Notification No. 91/2005-Customs dated 17th Oct., 2005. The petition in that case was filed by M/s. Hindustan Fluorocarbons Limited.

And whereas the Rules require the Designated Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of Anti-Dumping Duty. In terms of the above provision, Designated Authority, received an application substantiating the need for review of the anti dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from China and have requested for modification in the form of duty and enhancement/revision in the quantum of the anti dumping duty imposed on subject goods.

B. Procedure

2. The procedure described below has been with regard to the investigation:

a. The Authority received a duly substantiated application from M/s. Gujarat Fluorochemicals Ltd. for review, modification of the form of duty and enhancement in the quantum of anti dumping duty in force, *inter alia*, based on the grounds that the existing duty is not sufficient to address the injury to the domestic industry. The petitioner submitted *prima facie* evidence in this regard, requesting for review and enhancement of the anti dumping duty in force.

b. Having satisfied itself that the petitioner has produced sufficient positive information substantiating the need for a review, the Authority initiated the mid-term review investigation of anti-dumping duty imposed on imports of subject goods originating in or exported from China

vide Notification No. 15/33/2008-DGAD dated 27th February, 2009 in accordance with Section 9A (5) of the Act, read with Rule 23 of the AD Rules. The scope of the present review covers all aspects of the previous notification.

c. The Embassy of the subject country in New Delhi was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2).

d. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Embassy of subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.

e. The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporters (whose names and addresses were made available to the Authority) and gave them opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rules 6(2) & 6(4). The notice was forwarded to following exporters:

M/s. Zhengxin Fluorocarbons
Jiangsu
China

Shandong Dongyue Chemical Co., Ltd
Shandong,

Changzhou Xiangtong Chemical Co.,Ltd
China

Taizhou Meilan Resin Process Co. Ltd
Jiangsu, China , Taizhou , Jiangsu (China),
Phone:86 523 6579032

ShanDong DongYue Polymer Material Co., Ltd
ZiBo City, Shandong
China 256400

f. Response to exporter's questionnaire were received from the following producers/exporters of the subject goods from the subject country:

- M/s Shandong Dongyue Chemical Co Ltd, China PR.
- M/s DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd, China PR

g. The Authority forwarded a copy of the public notice to all the following known importers (whose names and addresses were made available to the authority) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(4).

- Goenka & Sons, Mumbai
- Pragati International, New Delhi
- Venus Industries, New Delhi
- Mechanical Packing Industries, Mumbai

- M/s Mach Polymers, Pune
- Tee Coating Industries, Ahemdabad
- Pragati Plastic Pvt. Ltd, New Delhi
- Automate Industries, Ahemadabad
- Dip Flon Engineering Co., Ahemdabad
- Plastic Product Engineering Co, Ahemdabad
- Corrosion Engineers, Ahemdabad.
- The following importers responded to the notice of initiation.
- Sanghvi Products,
- Meerut PTFE Products Pvt. Ltd.
- Tonk & Associates (P) Ltd.,
- Trestar Elektroniks,
- E.I. Dupont India (P) Ltd.,

- h. The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- i. Exporters, producers and other interested parties who have not responded to the Authority, nor supplied information relevant to this investigation have been treated as non-cooperating interested parties.
- j. A Market Economy Treatment (MET) questionnaire was forwarded to all the known exporters and embassy of China PR with a request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time. While for the purpose of initiation the normal value in China PR was considered based on the cost of production of the subject goods in India, duly adjusted, the Authority informed known exporters that it proposes to examine the claim of the applicant in the light of para 7 and para 8 of Annexure I of Anti Dumping Rules, as amended. The exporters/producers of the subject goods from China PR were therefore requested to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 to enable the Authority to consider whether market economy treatment can be granted to cooperative exporters/ producers.
- k. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations.
- l. Information was sought from the applicant and other domestic producer to determine non-injurious price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- m. The Authority held a public hearing on 29.10.09 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinder to the views expressed by other interested parties. The written submissions and rejoinders received from interested parties have been considered, to the extent considered relevant;

- n. On the spot verification of the data provided by the applicant and DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. examination was carried out to the extent considered necessary.
- o. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts under consideration of the Designated Authority were disclosed to known interested parties and comments received on the same have been appropriately considered in present Final Findings.
- p. Investigation has been carried out for the period starting from 1st October 2007 to 30th September 2008 (also referred to as the period of investigation or POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from 1st April 2005 to the end of period of investigation.
- q. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- r. The US exchange rate for the POI have been taken Rs. 41.08=1 US\$

C. Product under consideration and like article

3. The product under consideration in the present case is "Polytetrafluoroethylene (also referred to as PTFE) originating in or exported from China PR. PTFE is produced in various grades, such as molding grade, fine powder, aqueous dispersions and compound grades of filled grades. All grades that were included in the scope of the previous case and current duties are within the scope of the present review. PTFE is primarily used in electrical, electronic, mechanical and chemical industries for their unique characteristics which are chemical inertness, electrical and thermal insulation, low coefficient of friction, non toxic, non flammable, resistance to radiation, low level of static and dynamic friction and outstanding electrical properties over a wide frequency range.

4. Polytetrafluoroethylene (PTFE) is classified under subheading no 390461 under Customs tariff Act and at subheading no. 39046100. Customs classifications are indicative only and, in no way, binding on the scope of the investigations.

5. The applicant has claimed that there is no known difference between the products manufactured by them and the subject goods imported from the subject country. The applicant also claimed that the technology and primary production process employed by them and the foreign producers are comparable; even though every producer fine-tunes its production process based on available facilities and necessities.

Views of the Domestic Industry

6. The present investigation being the mid term review, the scope of the product under consideration must remain same as that in the original investigation. Whereas only M/s Hindustan Fluorocarbons Limited was the only producer at the time of the investigation, the product is now being produced by M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd., as well. For this added reason, there is no reason to review the product scope.

Views of the exporter/ producer

7. It has been argued by M/s DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd, that the scope of the product under consideration is too broad as the notice of initiation includes all the grades of PTFE whereas the applicant M/s Gujarat Fluoro Chemicals limited produces only one grade of PTFE, i.e., Granular Resin. It has also been argued that the grades which are not manufactured by the domestic industry should be excluded from the purview of the product under consideration.

Examination by the Authority

8. The present investigations is review investigation. Anti dumping duties are in force on imports of PTFE on the basis of recommendations earlier made by the Authority. It is noted that M/s Hindustan Fluorocarbons Limited comprised domestic industry in the previous investigations. While the present petition was filed by M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd., Hindustan Fluorocarbons Limited has subsequently cooperated with the Authority and has provided all relevant information. The Authority has examined the contentions of various interested parties regarding the scope of the product under consideration particularly about the fact that some of the grades pertaining to product under consideration being imported from the subject country are not being manufactured in India or there is no domestic like product or the product range is too broad. After examination, it is noted that a particular grade of the product under consideration can not be excluded so long as the like article is being produced by the domestic industry. In the present investigations, the domestic industry comprises of Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbons Limited. M/s Hindustan Fluorocarbons Limited constituted the domestic industry at the time of previous investigations. It was established in the original investigations that the domestic industry produced and supplied like article to the product under consideration. Since both Gujarat Fluorochemicals Ltd. and now M/s Hindustan Fluorocarbons Limited have cooperated with the Authority in the present investigations and have provided all relevant information, the scope of product under consideration and like articles is required to be decided based on the goods produced and supplied by these two companies. Subsequent to the disclosure statement, the domestic industry as well as exporter and importers have reiterated their views as made earlier in their submissions. After examining the submissions and verifications of domestic industry, it is noted that the domestic industry manufactures the domestic like product to the product under consideration as defined in this disclosure statement. Therefore, for the purpose of the midterm review, the scope of the product under consideration remains the same as defined in the original investigations and as mentioned in the para (3) as above.

D. Domestic Industry and Standing

9. The application has been filed by Gujarat Fluorochemicals Ltd., Noida. Further, M/s Hindustan Fluorocarbons Limited, Hyderabad, has cooperated in the present investigation and provided all relevant information. In the original investigations, Hindustan Fluorocarbons Limited (HFL) had filed the petition before the Designated Authority.

10. M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd. (GFL), has set up a new plant for production of PTFE with an installed capacity of 5500 MT, which commenced commercial production in December 2007. Capacity and production of Gujarat Fluorochemicals Ltd., in the current investigation period is significantly higher than Hindustan Fluorocarbons Limited. The Authority notes that production by Gujarat Fluorochemicals Ltd., and Hindustan Fluorocarbons Limited accounts for 100% of the production of the subject goods in India. The Authority has considered M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd., and Hindustan Fluorocarbons Limited as domestic industry for the purpose of the present investigations. In response to the disclosure statement, the exporter and importers have objected to the fact that M/s HFL had entered the anti dumping proceedings after the public hearing and interested parties were not notified about the submissions of M/s HFL till

the issuance of the disclosure statement. After examining the issues, it is noted that M/s HFL had participated in the public hearing and had submitted the information as per the domestic industry proforma and a copy of the non confidential version of the same was duly placed in the public file for information to all concerned interested parties.

Confidentiality

11. The Authority examined the confidentiality claims of the interested parties and on being satisfied with regard to claim on confidentiality, the same has been allowed.

Submissions and issues raised

12. The Authority notes that the following parties have filed questionnaire responses -

Name of the company	Status
Shandong Dongyue Polymer Material Co. Ltd.	Producer & exporter
DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd	Producer & exporter

13. Further, M/s Sanghvi Products, India, M/s Meerut PTFE Products Pvt. Ltd. M/s Tonk & Associates (P) Ltd., M/s Trestar Elektronik, M/s E.I. Dupont India (P) Ltd., have also responded to the Designated Authority and provided the information relevant to the present investigation through M/ Lakshmi Kumaran and Sridharan. Views expressed by the interested parties have been appropriately taken into account in the present disclosure statement.

E. Determination of Dumping Margin

Market economy claims

14. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China PR as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provided information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise producers/exporters in their country to provide information.

15. As per Paragraph 8, Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporter/producer of the subject goods from China

are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Submission by the domestic industry

16. Domestic industry has raised following issues with regard to the present investigations

- (a) Dupont has resorted to significant dumping in the Indian market. Dupont appears to have started production in some new form sometimes during the period of investigation.
- (b) It is possible that Dupont is engaged in production along with M/s Shanghai 3F, which is a State owned/controlled company, making financial losses for quite some times.
- (c) Shanghai 3F has not even responded to the Designated Authority. Thus, it should be concluded that the Designated Authority has partial response in as much as the company undertaking majority of the production activity has not responded to the Authority and the company undertaking only last stage of manufacturing facility has come before the Authority.
- (d) In a situation where production activity is de-facto with the other company, there is no way Dupont can claim that its decisions concerning prices, costs, inputs (including raw materials), cost of technology, production, sales and investments are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant state interference.
- (e) The import price from China is unreliable. On comparing Indian data with that of China it can be seen that even when import volumes are almost in similar region, the values are significantly different. Even when it is appreciated that one of the values is FOB and the other is CIF, the difference in the two is much much higher than this.
- (f) For the calculation of Normal Value, India should be considered as the surrogate country.

- (g) Comparison of normal value with export price would show that the dumping margin in the present case is materially higher than the dumping margin earlier established, thus essentialising the need to enhance the Anti-Dumping Duty.
- (h) There also exists likelihood of continuation of injury as :
 - i. The current exports to third countries are at dumping prices and the dumping is likely in the event of revocation of anti dumping duties on the two countries.
 - ii. Volume of imports in case of China has significantly increased inspite of imposition of anti dumping duties.
 - iii. Presence of Freely disposable present and potential capacities with the foreign producers
 - iv. Imports from the subject country are likely to undercut the prices of the domestic industry in the event of revocation of anti dumping duties.
 - v. Comparison of the current exports from the subject countries with the demand in India shows that their current exports to some of the countries individually are much higher than gross demand in India.
 - vi. As the examination of the performance of the domestic industry shows, the domestic industry has suffered injury during the current investigation period. Performance of the domestic industry cannot improve in the event of revocation of anti dumping duties. At the least, it would deteriorate further.
 - vii. The market share of Chinese imports is quite significant inspite of existing anti dumping duties.

Submission by M/s Du Pont

17. DuPont has filed response to MET questionnaire and has claimed market economy status. The company claimed that its questionnaire response establishes that it is entitled for market economy status. In its questionnaire response, the company claimed, inter-alia that it purchases its raw material from outside. However, no evidence has been provided to establish that the prices of basic inputs substantially reflect market values. All the utilities are admittedly purchased from state owned entity.

Examination by Authority

18. The Authority notes that M/s DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd, (DuPont) a producer/ exporter of the subject goods from the subject country, has submitted information on prescribed format to rebut non-market economy presumption. On the spot investigations were conducted at the premises of the company, which included examination of the market economy status claim of the company. It was found that the company was first established in 2005 in the name of DuPont (Changshu) Electronic Gas Technologies Co Ltd as shown in the Certificate of Approval for establishment of enterprises with foreign investment. Subsequently, the approval was changed to the new name of the company DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co Ltd. Hereinafter, the company is referred to as 'Du Pont Changshu'. The name continued to remain the same till the date of verification. The company was wholly owned by Du Pont China Holding Co Ltd – a Chinese company which in turn is wholly owned by Du Pont China Ltd – a US

basedcompany.

19. It was noted during the verification proceedings that the company had **** directors including the chairman and all of them had worked in various positions in several Du Pont Group companies for more than **** years before becoming directors in Du Pont Changshu. It was noted that the company was established from the scratch. They acquired land from Bureau of Land and Resources of Changshu, Jiangsu Province. They had purchased land use rights for **** sqm of land for a period of **** years at premium of RMB. ****. After acquiring the land use rights, Du Pont Changshu acquired plant and machinery from abroad as well as from within China. Majority of the equipments were imported. Of the total machinery value of RMB. ****, domestically purchased machinery constituted RMB. **** (****%) and the imported machinery constituted RMB. **** (****%) in terms of the statement generated from their accounting system.

20. Du Pont Changshu maintained accounts as per Chinese GAAP as also in accordance with US GAAP. The technology for manufacturing the product concerned was acquired from E.I.Dupont De Nemours and Co – a group company. In terms of the said technology, Du Pont Changshu used TFE as the basic raw material which was then polymerized to produce PTFE. Since the major raw material was TFE, the sources of supply of the said raw material was verified. It was found that Du Pont Changshu was procuring TFE from an unrelated supplier which was a state owned company. It was also stated that they supply TFE only to Du Pont Changshu through a pipeline. Since there was no other supplier of the raw material and the state owned company was also exclusively supplying to Du Pont Changshu, the market price of raw material could not be established. Further, the possibility of state intervention in raw material prices could not be ruled out. During the verification, the exporter and producer of PTFE was not able to prove the requirement of para 8 (3) of the Annexure 1 of the Anti dumping rules that whether costs of major inputs substantially reflect market values.

21. Thus, on the basis of foregoing, the Authority has not granted market economy status to M/s DuPont.

E.1 Normal Value for China PR

22. As recorded earlier, the Authority has not granted market economy treatment to DuPont for the purpose of this finding. Therefore, the Authority has determined normal value on the basis of Para-7 to Annexure-I to the Rules. Para 7 of Annexure I of the Anti-dumping Rules provide that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and

due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

23. In accordance with the para 7 of the Annexure 1 of the Anti dumping rules as mentioned above, normal value is required to be determined on the basis of costs or prices in market economy third country. It is noted in this regard that the petitioner has not been able to provide any information with regard to price of the product under consideration in a market economy third country. The responding exporter from China appears to have manufacturing facilities in Europe. The company has however not provided any information with regard to costs or prices of the product under consideration in Europe. Further, one of the European country is facing anti dumping investigations in USA. Price of the product under consideration from market economy third country to India could also not be adopted as it has not been established that the same are in the ordinary course of trade. Under the circumstances, the Authority is constrained to determine normal value on the basis of constructed cost of production. The normal value has been constructed taking into account international price of the major inputs, consumption norms, conversion cost, and SGA expenses of the domestic industry and after addition of a reasonable profit margin of 5%. The normal value works out as under:

Material Cost	****
Utility Cost	****
Conversion cost	****
SGA	****
Finance Cost	****
Profit Margin @ 5%	****
Normal Value (Rs. per Kg)	****
Exchange rate for INR to USD	****
Normal Value (US\$ per Kg)	9.25

E.2 Net Export Price in case of M/s DuPont

24. The export price has been determined on the basis of the information provided by DuPont, considering weighted average price of the goods sold during the investigation period. The Authority has allowed price adjustments, as claimed by the exporter and verified by the Authority, on account of inland freight, ocean freight and marine insurance. The net export price as determined after all adjustments are on weighted average basis US \$ ****per Kg.

E.3 Export Price in case of Shangdong Dongyue Polymer Material Co and Other exporters

25. The Authority notes that the company has declined to cooperate with the Authority and has not offered itself for verification. The Authority has considered the exporter non cooperative. Verification of the records of the exporters was more important in view of the claim of the applicant that the price at which goods were reported for clearance in India were substantially

higher than the price at which the goods were indeed invoiced by the exporter. It was thus imperative to verify the export price claims with the records maintained by the exporter, which became infeasible in view of non cooperation by the exporter. In view of this net export price has been determined for other exporters at a lower representative level and is determined as US \$ ****/Kg.

E.4 Dumping Margins

26. Dumping margin has been determined considering the normal value and export price determined, as detailed above. Dumping margin comes as under:-

In US \$	DuPont	Any other Chinese producer/ exporter
Normal value	9.25	9.25
Net Export price	****	****
DM \$	****	****
DM%	52-57	55-60

F. INJURY DETERMINATION

Views of Domestic Industry

27. The Domestic Industry has submitted that subject goods from China and Russia have caused injury to the Domestic Industry as evident from the following:

- (a) In case of Russia, imports continued in significant volumes.
- (b) In case of China, imports increased significantly as compared to original investigation period.
- (c) The increase in imports from China is inspite of imposition of anti dumping duties.
- (d) In case of China, share of imports has remained very significant in relation to demand/consumption in India.
- (e) The significant volume of Chinese imports are inspite of significant capacities and production within the Country.
- (f) Imports from China and Russia (both individually) are significantly undercutting the prices of the domestic industry.
- (g) Imports are resulting in price underselling.
- (h) Performance of the domestic industry continues to be adverse. In fact, the domestic industry has been prevented from utilizing its capacities. Even when domestic industry has kept production at low levels, the inventories have sky rocketed to 8-10

months sales. Sales volumes are materially low as compared to the demand in the Country. The domestic industry is suffering significant financial losses, negative return on investment and cash profits. Performance of the domestic industry is materially below

- (i) When compared with the projections in its project report.
- (j) Capacity utilization of the Domestic Industry has declined.
- (k) Inventories have been piled up significantly.
- (l) Market share of the subject goods in the domestic market has shown a decline.
- (m) Losses have first declined but later have again increased.
- (n) Sales volumes have increased. However, the profitability has significantly declined.
- (o) Return on capital employed has first improved but then have later deteriorated.
- (p) Price undercutting is positive.
- (q) Imports are causing price suppression in the prices of the subject goods in the domestic market.
- (r) Growth is showing a negative trend.
- (s) Cash profit first improved but then have later deteriorated.
- (t) Employment & wages have shown a positive trend.
- (u) One of the petitioner companies is suffering a negative impact; whereas the other being a multi-product company, is not showing any significant impact over its ability to raise capital.

Views of Importers & Users

28. Following arguments have been advanced by the various importers and users

- a. There has been no injury to the Domestic Industry as both market share and sales of the Domestic Industry shows improvement in the POI.
- b. Petitioner has submitted data only for ten-month period, which cannot serve as the basis for imposition of duty.
- c. While calculating NIP necessary adjustments should be made towards credit, as Gujarat Fluorochemicals Ltd. is recording its strong presence in the International Credit market.
- d. Gujarat Fluorochemicals Ltd. has started its production of the subject good only in December 2007. Hence it needs some time to arrive at optimal production and sales level.

Examination by the Authority

29. The Authority has examined the views of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. It is noted that

- (a) with regard to increase in market share and sales of the domestic industry, the Authority notes that the applicant commenced commercial production in the

investigation period. Therefore, some increase in the sales volumes of the domestic industry and consequent increase in the market share is a consequence of this commencement of production.

- (b) With regard to the period for which injury data has been made available, the Authority notes that while M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd. has commercial production only for this period; Hindustan Fluorocarbons Limited was in production for the entire injury period. The company has provided information relevant to injury assessment. Therefore, the injury to the domestic industry has been examined for investigation period and three preceding years in the present investigations.
- (c) With regard to determination of non injurious price after giving credit for carbon credits, the Authority notes that the non injurious price has been determined on the basis of records maintained by the domestic industry in accordance with Generally Accepted Accounting Principles. Raw materials required for production of the product under consideration does not provide any benefit of carbon credits. Carbon credits are received on account of HFC-23 (also known as R-23), which is not a raw material in production of the product under consideration. Further, since the domestic industry is captively producing R-22, the Authority is required to consider market price of R-22. The cost of production of R-22 is therefore in any case not relevant for determination of non injurious price of PTFE.
- (d) With regard to commencement of commercial production by Gujarat Fluorochemicals Ltd. only in the investigation period and short period of the same, the Authority notes that –
 - i) Petitioner has provided its injury information to the extent it has been in commercial production. Petitioner has provided information for the subsequent period in its submissions to show the performance to the maximum extent available;
 - ii) Petitioner has provided information from its project report on the basis of which the present plant was conceived, which shows that the performance achieved so far is far adverse as compared to the performance envisaged in the project report.
 - iii) It has been claimed that even if the non-injurious price envisaged in the project report is considered, landed price of import is substantially below such non-injurious price.
- (e) It has been contended by importers and exporter that Authority should examine to what extent and whether costs associated with start up operations contributed to the injury As regards start up costs and losses due to recent commercialization of production, the Authority notes that the project report of the Gujarat Fluorochemicals Ltd. shows that the same had projected profit in the very first year of commencement of production. It is noted that start up costs for first

two months of the operations have been capitalized. Hence, the same has not affected the injury analysis of the company.

Examination by the Authority of injury parameters

30. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

31. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

32. The present investigations are mid term review investigations of anti dumping duties in force. Rules 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutates mutandis basis in case of a review as well. The Authority has therefore determined injury to the domestic industry considering, mutates mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers that the fact of existing anti dumping duties on the product on imports from China and Russia is required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether existing measure is not sufficient to counteract the dumping which is causing injury.

33. The product under consideration was being produced in India only by Hindustan Fluorocarbons Limited at the time of previous investigations. The present petition has been filed by Gujarat Fluorochemicals Ltd., who has set up a new production facility for production of the product under consideration. Gujarat Fluorochemicals Ltd. commenced commercial production in Dec., 2007. Therefore, the Authority has determined injury to the domestic industry by considering information relating to Gujarat Fluorochemicals Ltd. and Hindustan Fluorocarbons Limited. Further, since Gujarat Fluorochemicals Ltd. has commenced commercial production in Dec., 2007 only and has installed capacities significantly higher than Hindustan Fluorocarbons Limited, the Authority notes that the same is relevant for assessment of injury to the domestic industry. The production of M/s GFL has started in December 2007 and hence pro rata capacity, for M/s GFL has been computed and added to the capacity of M/s HFL to determine the total capacity of the domestic industry in 2007-08 and POI.

Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

34. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

35. One of the primary grounds in the petition was that the import price reported for clearance of the goods in India is not the real price at which the goods have been exported from China. During the course of the investigations, the domestic industry submitted that the volume and especially price effect on account of dumped imports of subject goods from China PR should be determined from the import data as available in the World Trade Atlas through China Customs. On the other hand various interested parties (importers) have countered this by stating that China Customs data may include imports which may not have entered in to India as it may have been sold by third party sale. The Authority examined in detail the information on imports as per China Customs data (as available in World Trade Atlas), DGCI&S statistics and IBIS. The volume of imports reported in World Trade Atlas is quite comparable to the volume of imports reported in DGCI&S. However, there is significant difference in the weighted average export price as per China Customs data and weighted average import price as per DGCI&S data (even after making necessary adjustments for ocean freight and insurance). In fact it has been determined that import prices from World Trade Atlas data are much less than that of DGCI&S or IBIS and corresponds with the export price claimed and determined for cooperating exporter M/s Du Pont.

It is also noted that only two Chinese producers had initially responded to the Authority at the stage of initiation. While M/s DuPont has fully cooperated with the Authority, it is found M/s Shandong Dongyue Chemical Co Ltd, has not fully cooperated with the Authority. In fact, the company did not offer onsite verification of its data despite being conveyed that in the event of their non cooperative for verification, the Authority would be forced to adopt data as per facts available. It was all the more important and necessary in view of serious challenge by the domestic industry to the import price reported to Indian customs authorities. Thus, in view of the above, the Authority considers it appropriate to determine export price from China PR on the basis of Chinese Customs data for all exporters except M/s DuPont. Since month wise information on volume and value of exports is available, the Authority has relied on the same to determine export price in respect of China.

36. Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources. The share of subject country in total imports and demand in India are as follows:

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Country					
China PR	MT	644	778	1,153	1,180
Trend	Indexed	100	121	179	183

Others	MT	777	950	1,012	1,137
Total	MT	1,421	1,728	2,165	2,317
Trend	Indexed	100	122	152	163
Share of subject country in total imports	%	45.31	45.01	53.27	50.93
Subject imports in relation to demand	%	37.24	38.95	49.09	42.91

37. The Authority notes that

- (a) Despite the fact that anti dumping duties is in place on imports from China, the volume of imports has significantly increased.
- (b) It is noted that Chinese imports in relation to production has declined. It is further noted that the same is because of addition of capacity in India (by Gujarat Fluorochemicals Ltd.) and consequent increase in production.
- (c) It is noted from the above table that Chinese imports in relation to consumption in India has declined, however, the same is because of addition of capacity in India by Gujarat Fluorochemicals Ltd. and consequent increase in consumption.

Price effect of imports

38. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry. Selling price of the domestic industry has been determined net of all rebates and taxes, at the same level of trade. This comparison showed that imports from China were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.

Price undercutting - China (Based on World Trade Atlas, China customs data)

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Landed Price	Rs. Kg	285.50	307.42	258.16	271.54
Net sales realization	Rs. Kg	****	****	****	****
Price undercutting	Rs. Kg	****	****	****	****
Price undercutting	%	25-35%	25-35%	35-45%	15-23%

39. The Authority has also examined price underselling suffered by the domestic industry and notes that the landed value from subject country is significantly below the cost of production and non-injurious price of domestic industry. Further, while cost of production of the subject goods declined, the decline in the selling price of the domestic industry was far more than the decline in the cost of production. The imports are thus depressing the prices of the subject goods in the market.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Cost of sales - Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	99	115	84
Selling Price per unit - Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	102	98	77
Landed Price	Rs. Kg	285.50	307.42	258.16	271.54

40. It is further noted that the landed price of dumped imports are significantly below the cost of production and non injurious price of the domestic industry. The dumped imports are therefore resulting in price underselling in the market.

Particulars	Unit	DuPont	Other non cooperating exporters
Landed price of imports	US\$ per Kg	****	6.80
Cost of production of DI	US\$ per Kg	****	****
Non injurious price of the domestic industry	US\$ per Kg	****	****
Price underselling amount	US\$ per Kg	****	****
Price underselling %	%	32-38	65-70

Economic parameters of the domestic industry

41. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. However, the present investigations being a mid term review investigations, injury to the domestic industry is required to be assessed on mutates mutandis basis. Further, the Authority has examined whether existing measure is not sufficient to counteract the dumping which is causing injury. Further, whereas only Hindustan Fluorocarbons Limited was in production at the time of original investigations, Gujarat Fluorochemicals Ltd. with a capacity significantly higher than Hindustan Fluorocarbons Limited has commenced commercial production, that too in Dec., 2007 (i.e., in the investigation period itself). The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Production, sales and capacity utilization:

42. The Volume of domestic production and effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry have been examined in terms of total production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Installed capacity	Mt	500	500	2,333	5,083
Output/Production	Mt	228	245	826	1,478
Trend	Indexed	100	107	361	647
Capacity Utilization	%	45.69	49.00	35.38	29.07
Trend	Indexed	100	107	77	64
Sales of Domestic Industry	MT	308	269	184	433
Trend	Indexed	100	87	60	141

43. It is noted that

- i. The Capacity for the product under consideration has significantly enhanced during the injury period. As stated earlier, Gujarat Fluorochemicals Ltd. has set up a plant with installed capacity significantly higher than Hindustan Fluorocarbons Limited.

- ii. The Sales volumes of the domestic industry and consequently its production have significantly increased. The increase in these parameters is due to commencement of new production facilities in the Country. It is noted that the volume of Chinese imports has significantly increased over the period.
- iii. The Capacity utilization of the domestic industry has declined. This establishes that the domestic industry has not been able to utilize its capacities in spite of existing demand in view of presence of dumped imports.

Market share:

44. The effects of the dumped imports on the domestic sales and the market shares of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Import from China PR	MT	644	778	1,153	1,180
Import from other countries	MT	777	950	1,012	1,137
Sales of domestic industry	MT	308	269	184	433
Total Demand in India	MT	1,729	1,997	2,349	2,750
Market share in Demand					
Share of Domestic Industry	%	17.83	13.46	7.84	15.75
Share of China PR	%	37.24	38.95	49.09	42.91
Share of other countries	%	44.94	47.59	43.07	41.34
Total	%	100.00	100.00	100.00	100.00

- a. It is noted that the market share of the domestic industry has declined.
- b. It is further noted that though the market share increased to some extent in the investigation period from the previous year, the same is still substantially lower than the market share registered earlier.
- c. Further, given the fact that new production facilities has helped commence commercial production in the investigation period for M/s GFL which is one of the two domestic producers constituting the domestic industry, the market share of the domestic industry was expected to have increased much higher than the levels registered earlier. However, Chinese imports are still having significant share in the demand for the product under consideration in India.

Profits/Loss, cash flow and return on investments

45. Profits, cash flow and return on investments earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows: -

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Cost of sales – Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	99	115	84
Selling Price per unit – Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	102	98	77
Profit/Loss (PBT) – Domestic	Rs. Kg	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(94)	(141)	(96)
Profit/Loss (PBT)	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(82)	(84)	(135)
Profit/Loss (PBIT)	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(79)	(83)	(123)
Cash Profit	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(71)	(94)	(125)
Return on Capital Employed on NFA basis	%	****	****	****	****
Trend	Indexed	(100)	(156)	(11)	(9)

46. It is noted that

- (a) The domestic industry was already suffering significant financial losses. In spite of existing anti dumping duties from China PR, the situation deteriorated further in the investigation period. The domestic industry reported higher losses in the investigation period.

- (b) Return on investment was significantly negative in earlier years. The same continued to be negative, even though the position with regard to return on investment has improved.
- (c) The domestic industry has suffered negative cash profits throughout the injury period. Further, the level of cash losses have increased during the investigation period.

Factors affecting prices

47. Consideration of the import prices from China and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from subject country is below the selling price of the domestic industry, causing price undercutting in the Indian market as per the World Trade Atlas data. Imports from other countries are at much higher prices. There is no viable substitute to this product. Demand for the product was showing significant jump and could not have been a factor responsible for price suppression faced by the domestic industry. It thus appears that the one of the major factors responsible for the domestic industry prices is the import prices of the subject goods from China PR and the cost of production of the domestic industry. As the information shows, the domestic industry has been prevented from charging a price that would permit recovery of cost of production.

Employment, productivity and wages

48. Number of employees employed by the domestic industry, its productivity and wages paid shows as follows

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Employment	Nos.	153	146	167	224
Trend	Indexed	100	95	109	146
Wages	Rs.Lacs	****	****	****	****
Trend	Indexed	100	96	165	252
Productivity per employee	Mt	1.49	1.68	4.94	6.61
Trend	Indexed	100	113	331	443

49. It is noted that employment has increased. The increase in employment is because of addition of capacities during the investigation period. Wages paid have also increased. Productivity of the domestic industry has shown significant improvement.

Inventories

50. It is noted that inventories of the subject goods with the domestic industry have shown a significant increase in the POI. While it is noted that some increase in inventories could be due to one more company commencing production, the increase in the inventories is too significant.

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Opening Stock	Mt	112	32	8	3
Closing Stock	Mt	32	8	490	414
Average Stock	Mt	72	20	249	208
Trend	Indexed	100	28	347	290
Number of days sales in stock	Nos.	38	11	972	349
Trend	Indexed	100	30	2,566	920

Magnitude of Dumping

51. The dumping margin determined are above de minimis level and are considered significant.

Growth

52. It is noted that the domestic industry continues to face negative growth in terms of a number of parameters. It is further noted that though the production and sales volumes have shown some positive growth, the same is considered below the levels that the domestic industry could have achieved in the absence of continued dumping.

Growth (year to year basis)	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	Oct-Sep08 (POI)
Growth in sales volume	%		(10-15)	(30-35)	130-140
Growth in production	%		5-10	230-240	75-85
Growth in demand	%		10-20	10-20	10-20
Growth in selling price per unit	%		2-8	(3-10)	(15-25)
Growth in Cost of sale per unit	%		(1-3)	10-20	(20-305)
Growth in profit/loss per unit	%		3-10	(45-55)	30-40

Growth in Profits (PBIT)	%		15-25	(3-10)	(40-50)
Growth in Cash Profit	%		25-35	30-40	25-35
Growth in ROI	%		(45-55)	120-130	1-5
Growth in Inventories	%		(65-75)	1100-1200	(12-22)

Ability to raise fresh investment

53. It is noted that one of the domestic industry (Gujarat Fluorochemicals Ltd.) is a multi product company while the other (Hindustan Fluorocarbons Limited) is a subsidiary of M/s HOCL, which is also a multi product company. It has been claimed by the domestic industry that the product is a capital intensive and has been suffering financial losses for quite some time. M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd. has claimed that it had plans to further expand the capacities for the product under consideration. However, the company has put the same on hold due to continued adverse performance.

Conclusions on injury

54. The examination of above injury parameters and considering the fact that the anti dumping duties are in place on imports from China and Russia, the Authority concludes that despite overall growth in demand and addition of fresh capacities in the Country, imports of the product under consideration from China have increased significantly both in absolute terms and relative to production and consumption in India. Even though the share of imports in demand/consumption in India in the POI declined as compared to the preceding year, the same was still higher than earlier years. M/s Gujarat Fluorochemicals Ltd., commenced commercial production during the POI. Injury to the domestic industry has been examined in the light of addition of capacities and fresh production by new company. It is noted that dumped imports from China PR have been undercutting the domestic prices. Further, the landed prices of subject goods from China PR have caused price depression in the domestic market. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is noted that performance of the domestic industry continued to remain adverse on account of capacity utilization, market share, profits, return on investment, cash profits and inventories though the same should have improved as a result of increase in demand and imposition of anti dumping duties earlier.

On the basis of above analysis, it is concluded that the performance of the domestic industry has not improved even after the imposition of anti dumping duties. The situation of the domestic industry has remained fragile and adverse. Existing measure is not sufficient to counteract the dumping which is causing injury. The domestic industry has suffered continued material injury.

G. Causal Link

55. As per the AD Rules, the Designated Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than the dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found that

- (a) **Imports from Third Countries:** - The Authority notes that price of imports of the product under consideration from countries other than China and Russia are significantly higher than the import price from the countries attracting anti dumping duties.
- (b) **Contraction in Demand:** - There is no contraction in the demand during injury period. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period.
- (c) **Pattern of consumption:** - It is noted that no significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.
- (d) **Conditions of competition:** - It is noted that the investigation so far has not shown that conditions of competition or trade restrictive practices are responsible for the claimed injury to the domestic industry.
- (e) **Developments in technology:** - It is noted that the investigation so far has not shown that there was any significant change in technology which could have caused injury to the domestic industry.
- (f) **Export performance of the domestic industry:** - **Export performance of the domestic industry:** - It has been argued that the domestic industry has been exporting significant exports at financial losses and injury to the domestic industry is due to possible losses in its exports. The domestic industry has contended that they are being forced to export only because of lack of demand for their product in the Country because of presence of dumped imports in the market. It is noted that the export volumes of the domestic industry have increased. Further, the export price of the company has been found far higher than the import price in India. In fact, the price in case of exports is found higher than the domestic selling price. The company has been exporting to a number of destinations in the World, including some of the developed countries. Further, the price and profitability in the domestic and export market has been segregated by the Authority for the purpose of present injury assessment. Therefore, the analysis on injury is not misrepresentative due to possible inclusion of export performance and injury to the domestic industry is not due to possible deterioration in exports.
- (g) **Carbon Credits** – During the investigations, some of the interested parties have argued that the domestic industry is earning good revenue from sale of credits. The Authority however notes that the credits are not being generated from production and sale of the

product under consideration and does not have any impact on the Product under consideration.

56. The Authority notes that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- a. The landed prices of imports were lower than the selling price of the domestic industry. As a result of price undercutting, the consumers have resorted to higher volume of imports, thus leading to decline in market share of the domestic industry.
- b. Decline in market share has prevented the domestic industry from increasing their production and capacity utilization inspite of increase in demand and setting up of new capacities.
- c. Landed price of imports were undercutting the prices of the domestic industry. The subject imports have caused price underselling in the Indian market. Resultantly, lower import prices have prevented the domestic industry from increasing their prices.
- d. The domestic industry has not been able to increase its prices in order to come out of the injury suffered in the past. Price depression effect of the imports has resulted in continued financial losses to the domestic industry and consequently continued negative return on investment and cash profits. Thus, continued adverse performance on account of profits, return on investments and cash profits is due to presence of dumped imports in the market.

57. The Authority therefore, concludes that the dumped Chinese imports have caused continued injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and Article 3.5 of Agreement of Anti-dumping.

Likelihood of continued injury

58. The current investigations are mid term review of anti-dumping duties earlier imposed on imports of PTFE from China. Under the Rules, the Authority is required to determine whether continued imposition of anti-dumping duty is warranted. This also requires a consideration of whether the duty imposed is serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. The Authority has conducted investigations and examined dumping and consequent injury in the context of the application filed by the domestic industry, wherein the domestic industry claimed that the anti-dumping duties imposed is not serving the intended purpose of eliminating injurious dumping. In its petition, the domestic industry claimed that the volume of Chinese imports has increased after imposition of duties and the goods are being reported at such prices that no anti-dumping duties are paid on imports. It is noted from the examination of the import data from all sources in general and China Customs in particular that the subject goods is continuously

8086/10-8

exported at lower prices. The domestic industry has, in this petition for review asked for modification in the form and enhancement in the quantum of duties.

59. The Authority has considered following parameters while considering continuation of anti-dumping duties –

- (a) Dumping margin determined at the time of original investigation and the current investigation are significant. The product continues to be exported at significantly dumping prices in spite of imposition of anti-dumping duties;
- (b) Volume of imports has significantly increased after imposition of anti-dumping duties. The volume of imports in the current investigation period is higher than even than the original investigation period.
- (c) Freely disposable production capacities – The information provided by the domestic industry and not refuted by other parties shows existence of significant unutilized capacities in China as seen in the table below as well.

	Capacity	Demand/consumption (2008)
China	34000	27600
Other countries	93500	59800
Global	127500	87400

- (d) Information available at World Trade Atlas shows that the exports of the product from China to various countries in the world are quite significant and are at a price significantly lower than the price prevailing in India (after necessary adjustments for expenses).
- (e) Vulnerability of the domestic industry – It has been claimed that the domestic industry continues to suffer material injury in spite of current duties. Injury to the domestic industry is therefore likely to continue.

60. The Authority concludes that the dumped imports from China are likely to continue at dumped prices. The volume of dumped imports is likely to increase further in the event of withdrawal of anti dumping duties. Further, the domestic industry is likely to continue to suffer injury. Further, injury to the domestic industry is likely to intensify in the event of withdrawal of anti dumping duties.

Magnitude of Injury and injury margin

61. The non-injurious prices for the subject good has been compared with the landed value of the exports from the subject country for the same description for determination of injury margin. With regards to determination of landed value of subject goods from M/s Du Pont, it is noted that Subject goods are imported by one of their related company M/s E.I. DuPont India Private Limited who is an importer. The related company M/s E. I Du Pont India Pvt Ltd is selling the subject goods at a higher price than the landed value of the subject goods. For the purpose of constructing injury margin, Authority has constructed the landed value of subject goods taking

into account the adjustments which have taken inter alia the profit margin of the importer and their selling and distribution expenses. For other non cooperating exporters, the weighted average landed price of the exporters from the subject country have been determined after making adjustments in the FOB prices reported in the World Trade Atlas and the China Customs and after deducting the volume and prices of the cooperating exporter. The injury margin has been worked out as per the follows:

Calculation for Landed Price and Injury Margin
for DUPONT

POI (Oct07-Sep08)	PTFE from CHINA PR
Producer & Exporter - DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd.	Price (USD) per Kg
Landed price (USD PER /KG)	****
Non-Injurious Price (USD PER KG)	****
Injury Margin (USD PER KG)	****
Injury Margin as a % of Landed	32-38%

Calculation for Landed Price and Injury Margin
for Non-Respondent

POI (Oct07-Sep08)	PTFE from CHINA PR
Particulars	Price (USD) per Kg
CIF Export Price USD per Kg	****
Landing Charges @ 1%	****
Assessable Value	****
Basic Custom Duty @ 7.725% (BCD-7.5%+cess on BCD-3%)	****
Total (Ass. + BCD)	****
Landed price (USD PER /KG)	****
Non-Injurious Price (USD PER KG)	****

Injury Margin (USD PER KG)	****
Injury Margin as a % of Landed	65-70%

Indian industry's interest & other issues

62. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

FINAL FINDINGS:

63. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that:

- i. The subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margins of the subject goods imported from China PR is significant and above de-minimis limits prescribed. The subject goods continue to be exported to India at dumped prices inspite of existing anti dumping duties.
- ii. Considering the facts available on record, the subject goods are likely to enter Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn.
- iii. The domestic industry continues to suffer injury in spite of existing anti dumping duties. Further, should the present anti dumping duties be revoked, injury to the domestic industry is likely to continue and intensify.
- iv. The deterioration in the performance of the domestic industry is because of dumped imports from China PR.

64. Having concluded that the product continues to be exported at dumped prices, the current dumping margin and injury margin establishes the need for revision in the anti-dumping duty in force, the domestic industry continues to suffer injury and there is likelihood of continuation or resumption of dumping and injury on account of imports from China PR, if the duties are

revoked, the Authority is of the opinion that the form of anti dumping duty is required to be modified, the measure in force is required to be continued and the quantum of anti-dumping duty is required to be modified in respect of imports from China PR.

65. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining extent of injury, the landed value of imports has been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation. Accordingly, the antidumping duty equal to the amount mentioned in Col 9 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

Table

Sl. No.	Sub-heading	Description	Specification	Country Of origin	Country Of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	3904 61	Polytetra fluoro-ethylene (PTFE)	Any	China PR	China PR	DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd	DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd	3.01	KG	US\$
2.	3904 61	Polytetra fluoro-ethylene (PTFE)	Any	China PR	China PR	DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd	Any other than DuPont (Changshu) Fluoro Technology Co. Ltd	3.38	KG	US\$
3.	3904 61	Polytetra fluoro-ethylene (PTFE)	Any	China PR	Any	Any Except above	Any	3.38	KG	US\$
4	3904 61	Polytetra fluoro-ethylene (PTFE)	Any	Any except Russia & China	China PR	Any	Any	3.38	KG	US\$

66. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority